mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-30 अंक-68 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

11 मार्च 2026 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

किसान की बेटी की शादी में पहुंचे राहुल गांधी

सोनीपत में युवाओं ने कहा- भाई राम राम; परिवार संग चूरमा खाया, ब्याह के गीत सुने

सोनीपत, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार सुबह सोनीपत के गोहाना में एक किसान की बेटी की शादी में शामिल होने पहुंचे। ये वही किसान संजय हैं, जिनके खेत में राहुल ने तीन साल पहले ट्रैक्टर चलाया था। साथ ही धान रोपाई की थी। सुबह करीब सवा 10 बजे जैसे ही राहुल अपनी कार से उतरे उनके हाथ से मोबाइल गिर गया। तब राहुल ने झुककर उसे उठाया। रोहतक सांसद दीपेंद्र हुड्डा समेत कई नेता और मेजबान घराती बुके लेकर स्वागत के लिए खड़े थे। राहुल का हरियाणवी पगड़ी पहना कर स्वागत किया गया। जब राहुल शादी वाले घर में जाने लगे तो दरवाजे पर खड़े युवकों ने जोर से कहा–राहुल भाई राम–राम। राहुल हाथ जोड़कर मुस्कराए और आगे बढ़ गए। राहुल करीब एक घंटे तक शादी वाले घर में रुके। इस दौरान दूध के साथ चूरमा खाया। महिलाओं के गीत सुने।

ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम खरीदेगा इंडोनेशिया

- 200 मिलियन से 350 मिलियन की डील पर बातचीत जारी; इससे पहले फिलीपींस ने खरीदा था

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडोनेशिया ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने के लिए भारत के साथ एक एग्रीमेंट किया है। इंडो नेशिया डिफेंस मिनिस्ट्री के स्पोक्सपर्सन रिको रिकार्डो सिरैत ने सोमवार को न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को ये जानकारी दी। भारत और रूस की को–ओनरशिप वाली कंपनी ब्रह्मोस ने रॉयटर्स को बताया कि वह जकार्ता के साथ 200 मिलियन से 350 मिलियन की डील पर एडवांस्ड बातचीत कर रही है। रिको ने कहा कि यह एग्रीमेंट मिलिट्री हार्डवेयर और डिफेंस कैपेबिलिटीज़ के मॉडर्नाइजेशन का हिस्सा है। इससे पहले फिलीपींस ने भी ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम खरीदा था। भारत ने फिलीपींस को भेजी थी ब्रह्मोस मिसालइ की पहली खेप, 3130 करोड़ में डील : भारत ने फिलीपींस को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों की पहली खेप 19 अप्रैल 2024 को सौंपी थी। ब्रह्मोस पाने वाला फिलीपींस पहला बाहरी देश है। भारत ने जनवरी 2022 में फिलीपींस से ब्रह्मोस मिसाइल की बिक्री के लिए 375 मिलियन डॉलर (3130 करोड़ रुपए) की डील की थी। इंडियन एयरफोर्स ने c–17 ग्लोब मास्टर विमान के जरिए इन मिसाइलों को फिलीपींस मरीन कॉर्प्स को सौंपा। इन मिसाइलों की स्पीड 2.8 मैक और मारक क्षमता 290 किमी है।

देश के 62 रेस्टोरेंट पर आयकर छापे, 408 करोड़ रुपये की बिक्री छिपाने का शक

नई दिल्ली, एजेंसी। आयकर विभाग ने कर चोरी के शक में देशभर में कई प्रमुख रेस्टोरेंट की तलाशी ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने बताया कि जांच के दौरान रेस्टोरेंट की ओर से 408 करोड़ की कम बिक्री बताए जाने का खुलासा हुआ। यह कार्रवाई हैदराबाद स्थित प्रसिद्ध बिरयानी रेस्टोरेंट समूह से जुड़े 70 हजार करोड़ के कर चोरी मामले के सामने आने के बाद की गई। आयकर विभाग को संदेह है कि इन रेस्टोरेंट समूह ने वास्तविक बिक्री छिपाने और कर बचाने के लिए हेरफेर में बिलिंग सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया है। सीबीडीटी ने बताया, 22 राज्यों के 46 शहरों में 62 रेस्टोरेंट का सर्वे किया गया। शुरुआती जांच में पता चला कि करीब 408 करोड़ की बिक्री छिपाई गई है। साथ ही, इन नतीजों की जांच चल रही है। कर अधिकारियों के नवंबर 2025 में फूड एवं बेवरेज सेक्टर में जांच शुरू करने के बाद यह कार्रवाई शुरू हुई। जांच के दौरान, यह पाया गया कि कई रेस्टोरेंट असल बिक्री को छिपाने के लिए बल्क बिल डिलीट करने और दूसरे बदलाव करने में लगे हुए थे। रविवार से देशभर में रेस्टोरेंटों की तलाशी अभियान के बाद 63,000 आउटलेट को ईमेल और संदेश भेजे जा रहे हैं।

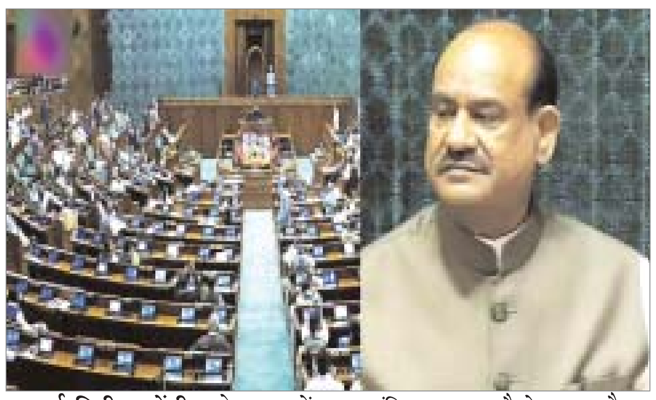

लोकसभा में स्पीकर बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश,50 विपक्षी सांसदों ने पक्ष में वोट किया

गोगोई ने कहा- देश का नेतृत्व कमजोर, बुजदिल

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में मंगलवार को विपक्ष ने स्पीकर ओम बिरला को पद हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। 50 से ज्यादा सांसदों ने पक्ष में वोट किया। इसके बाद पीठासीन ने प्रस्ताव पेश करने की परमिशन दे दी। अब इस प्रस्ताव पर 10 घंटे चर्चा चलेगी।

विपक्ष ने ओम बिरला पर सदन की कार्यवाही में पक्षपात करने का आरोप लगाया है। इस दौरान कांग्रेस ने स्पीकर की गैर-मौजूदगी में डिप्टी स्पीकर के नियुक्त ना करने पर सवाल उठाए। कहा कि चेयर पर बैठे पीठासीन जगदंबिका पाल कैसे इस दौरान कार्यवाही चला सकते हैं। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि देश का नेतृत्व कमकोर और बुजदिल है। डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को देने की परम्परा रही है। 16वीं लोकसभा में NDA में शामिल रहे अन्नाद्रमुक के थंबीदुरई को यह पद दिया गया था, जबकि, 17वीं और 18वीं लोकसभा में किसी को भी डिप्टी स्पीकर नहीं बनाया गया।

सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने नियमों का हवाला देते हुए पॉइंट ऑफ ऑर्डर उठाया और कहा कि जब स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा हो रही हो, तब स्पीकर को कार्यवाही की अध्यक्षता करने का अधिकार नहीं होता। उन्होंने कहा कि अभी तक डिप्टी स्पीकर नियुक्त नहीं किया गया है और जो व्यक्ति चेयर पर बैठे हैं, वे भी स्पीकर की मंजूरी से ही आए हैं, इसलिए वे इस प्रस्ताव पर कार्यवाही नहीं चला सकते। उन्होंने मांग की कि बहस शुरू करने से पहले सदन की सहमति से तय किया जाए कि कार्यवाही की अध्यक्षता कौन करेगा।

निशिकांत दुबे ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि नियमों के अनुसार चेयर पर बैठा कोई भी व्यक्ति स्पीकर जैसी शक्तियां रखता है और वह कार्यवाही की अध्यक्षता कर सकता है। किरेन रिजिजू ने भी इस बात का समर्थन किया। डप्टी स्पीकर नियुक्त न करने को लेकर हमला बोला और कहा कि बहस शुरू होने से पहले सदन की सहमति ली जानी चाहिए। इसके बाद रवि शंकर प्रसाद ने कहा कि चेयर पर बैठे व्यक्ति को कार्यवाही चलाने का पूरा अधिकार है। आखिर में चेयर पर बैठे जगदंबिका पाल ने कहा कि स्पीकर का पद खाली नहीं है, इसलिए उन्हें कार्यवाही चलाने का अधिकार है। कई सदस्यों ने पॉइंट ऑफ ऑर्डर उठाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें बाद में मौका दिया जाएगा।

अविश्वास प्रस्ताव के बीच गर्माया डिप्टी स्पीकर नियुक्त न करने का मुद्दा

लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान एक बार फिर डिप्टी स्पीकर नियुक्त न किए जाने का मुद्दा गर्मा गया। दो साल पहले भी यह मामला उठा था, जब ओम बिरला को लगातार दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष चुना गया था। सरकार डिप्टी स्पीकर चुनाव क्यों नहीं करा रही इसको लेकर दावा किया जा रहा है कि 17वीं लोकसभा (2019–2024) में केंद्र की भाजपा सरकार के पास 303 सीटों के साथ स्पष्ट बहुमत था, जिसके कारण सरकार को विपक्ष के साथ समझौता करने की आवश्यकता महसूस नहीं हुई। विपक्षी नेताओं के मुताबिक सरकार ने जानबूझकर यह पद खाली रखा। क्योंकि इसे विपक्ष को देना पड़ता, विशेष रूप से कांग्रेस को जो सरकार की प्राथमिकता नहीं थी। 18वीं लोकसभा (2024–वर्तमान) में भी यही स्थिति बनी। भाजपा के पास 240 सीटें हैं। NDA गठबंधन के पास 293 सीटें हैं, जो बहुमत से अधिक हैं। इसके बावजूद सरकार ने विपक्ष की मांग को नहीं स्वीकारा। लोकसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच सहमति नहीं बन पाई थी। क्योंकि विपक्ष ने स्पीकर के लिए हृष्ट उम्मीदवार को समर्थन देने की शर्त में डिप्टी स्पीकर का पद मांगा था।

सुप्रीम कोर्ट का कोविड–वैक्सीनेशन पर मुआवजा पॉलिसी बनाने का निर्देश

- केंद्र से कहा– साइड इफेक्ट्स के आंकड़े समय–समय पर जारी करें; एक्सपर्ट पैनल बनाने से इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को कोविड-19 वैक्सीनेशन के बाद के साइड इफेक्ट्स की जांच के लिए एक्सपर्ट पैनल के गठन से इनकार कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह उन लोगों के लिए नो-फॉल्ट मुआवजा नीति तैयार करे, जिन्हें कोविड-19 टीकाकरण के बाद गंभीर प्रतिकूल घटनाओं का सामना करना पड़ा है। कोर्ट ने साइड इफेक्ट्स से जुड़े आंकड़े समय-समय पर सार्वजनिक करने को भी कहा है।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने उस आज याचिका पर सुनवाई की, जिसमें मांग है कि वैक्सीन के बाद हुए कथित दुष्प्रभावों के चलते मृतकों के परिवार को मुआवजा दिया जाए। आरोप है कि 2021 में कोविशील्ड की पहली खुराक लेने के बाद 2 महिलाओं की मौत हो गई थी।

कोर्ट की 3 अहम टिप्पणी

- मौजूदा व्यवस्था को देखते हुए टीकाकरण के बाद दुष्प्रभावों की जांच के लिए कोर्ट की तरफ से अलग समिति बनाने की जरूरत नहीं है।
- कोर्ट ने यह भी साफ किया है कि इस फैसले का मतलब यह नहीं है कि कोई व्यक्ति कानून का सहारा नहीं ले सकता है।
- कोर्ट ने कहा कि मुआवजा नीति बनाने का मतलब यह नहीं माना जाएगा कि भारत सरकार या किसी अन्य अथॉरिटी ने अपनी गलती या कानूनी जिम्मेदारी स्वीकार कर ली है।

मुख्य चुनाव आयुक्त बोले- पात्र वोटर का नाम नहीं कटेगा

- स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराना आयोग की प्राथमिकता, लोगों ने फिर काले झंडे दिखाए

कोलकाता, एजेंसी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मंगलवार को कहा कि किसी भी पात्र वोटर का नाम वोटर लिस्ट से नहीं हटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करना चुनाव आयोग की प्राथमिकता है। स्ढ्ढक्र का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि वोटर लिस्ट शुद्ध हों और पात्र वोटर को सूची में अपना नाम मिल जाए।

राजनीतिक दलों और अधिकारियों के साथ कई बैठकों के बाद कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कुमार ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोग हमेशा से शांतिपूर्ण और सहभागी लोकतंत्र में विश्वास रखते आए हैं। हमारा लक्ष्य बंगाल में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करना है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लगभग 80 हजार बूथ हैं, जिनमें से लगभग 61हजार ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। कुमार ने यह भी घोषणा की कि मतदान प्रक्रिया के दौरान पारदर्शिता बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग राज्यभर के बूथ पर 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग लागू करेगा। इसके पहले ज्ञानेश कुमार को सुबह फिर लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। ज्ञानेश कुमार दक्षिणेश्वर काली मंदिर गए थे, जहां लोगों की भीड़ ने गो बैक नारे लगाए और काले झंडे दिखाए। यह लगातार तीसरे दिन ष्टश्वष्ट को लोगों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इससे पहले कालीघाट मंदिर में दर्शन करने और रविवार रात कोलकाता पहुंचने पर भी एयरपोर्ट के बाहर लोगों ने काले झंडे दिखाए थे।

गुजरात-महाराष्ट्र और राजस्थान के 14 शहरों में टेम्परेचर 40डिग्री पार

म.प्र.के इंदौर में रनवे का डामर पिघला; जम्मू-कश्मीर में बारिश-बर्फबारी का अलर्ट

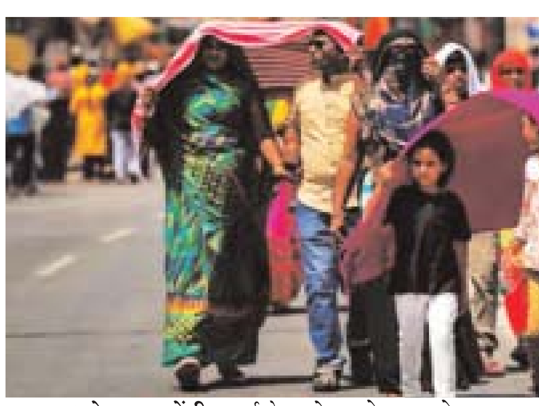

जयपुर/भोपाल, एजेंसी। मार्च के दूसरे हफ्ते तक देश के उत्तरी-मैदानी इलाकों में तेज गर्मी पड़ने लगी है। राजस्थान, महाराष्ट्र और गुजरात के 14 शहरों में सोमवार को पारा 40 से 41 डिग्री से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। इनमें राजकोट, सुरेंद्रनगर, न्यू कांडला, अहमदाबाद, डीसा, केशोड, गांधीनगर, सूरत, अमरेली, अकोला, बरौडा, भुज, बाड़मेर और कांडला शामिल हैं।

वहीं, हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों और महाराष्ट्र के विदर्भ में लू चलने लगी है। देश के कई हिस्सों में तापमान सामान्य से 5डिग्री या 12डिग्री ज्यादा पहुंच गया है। मध्य प्रदेश के इंदौर में गर्मी के कारण एयरपोर्ट पर रनवे का डामर पिघल गया। इसके कारण 2 फ्लाइट्स को भोपाल डायवर्ट करना पड़ा। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार राजस्थान की ओर से आ रही गर्म और शुष्क हवाएं और साफ आसमान के कारण ही तापमान बढ़ रहा है। तेज सोलर रेडिएशन के कारण जमीन तेजी से गर्म हो रही है। अगले दो-तीन दिन तापमान में और बढ़ोतरी की आशंका है। मंगलवार को बिहार, झारखंड, बंगाल, असम, मेघालय, अरुणाचल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और केरल में बारिश का अलर्ट है। नगालैंड के कोहिमा, दीमापुर, सेमिन्यू और वोखा समेत कई जगहों पर सोमवार को भी करीब 40 मिनट तक बारिश-ओलावृष्टि हुई।

NCERT ने ज्यूडीशियरी करप्शन चैप्टर पर बिना शर्त माफी मांगी

कहा- अब किताब उपलब्ध नहीं; सुप्रीम कोर्ट बोला था- न्यायपालिका को बदनाम करने की इजाजत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT) ने किताब के ज्यूडीशियरी करप्शन चैप्टर को लेकर बिना शर्त माफी मांगी है। इस चैप्टर को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद किताब की बिक्री पर रोक लगा दी गई थी। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। CJI सूर्यकांत ने कहा था कि न्यायपालिका को बदनाम करने की इजाजत नहीं दे सकते। NCERT ने प्रेस रिलीज में कहा- NCERT की सोशल साइंस की आठवीं (पार्ट-2) की टेक्स्ट बुक 'एक्सप्लोरिंग सोसाइटी- इंडिया एंड बियॉन्ड' का चैप्टर 4 'द रोल ऑफ ज्यूडीशियरी इन अवर सोसाइटी' था। NCERT के डायरेक्टर और सदस्य इसके लिए बिना किसी शर्त के माफी मांगते हैं। पूरी किताब को ही वापस बुला लिया गया है। अब यह उपलब्ध नहीं है। **सुप्रीम कोर्ट ने जताई थी नाराजगी :** 25 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी के बाद ज्यूडीशियल करप्शन' चैप्टर वाली NCERT किताब की बिक्री पर रोक लगा दी गई थी। NCERT के सूत्रों ने इसकी पुष्टि की थी। सूत्रों के अनुसार, NCERT ने चैप्टर का सुझाव देने वाले एक्सपर्ट्स और इसे मंजूरी देने वाले अधिकारियों की इंटरनल मीटिंग बुलाई। किताब को वेबसाइट से भी हटा लिया गया है। सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल और अभिषेक सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट में मामला उठाया था। सुनवाई के दौरान सिब्बल ने CJI सूर्यकांत, जस्टिस विपुल एम पंचोली और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच को बताया कि क्लास 8 के बच्चों को न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के बारे में पढ़ाया जा रहा है। यह निंदनीय है। सिंघवी ने कहा कि NCERT ने मान लिया है कि राजनीति, ब्यूरोक्रेसी और अन्य संस्थानों में भ्रष्टाचार है ही नहीं।

गुरुग्राम में बड़ा हादसा, दीवार गिरने से 7 मजदूरों की मौत, कई घायल

गुरुग्राम,एजेंसी। हरियाणा के गुरुग्राम में एक निर्माण स्थल पर दीवार गिरने से 7 मजदूरों की मौत हो गई। अधिकारियों ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। बता दें कि सोमवार शाम करीब 8 बजे सिधरावली इलाके में स्थित सिग्नेचर ग्लोबल सोसाइटी में दीवार गिर गई। इस हादसे में 12 से 15 मजदूर मलबे के नीचे दब गए थे। रेस्क्यू टीम ने मजदूरों को बाहर निकाला और उन्हें भिवाड़ी के एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने अस्पताल पहुंचने पर उनमें से सात को मृत घोषित कर दिया। फिलहाल, अधिकारी दीवार गिरने के कारणों की जांच कर रहे हैं।

घटना की सूचना मिलते ही बिलासपुर थाना पुलिस, स्ष्ठक्रस्न और हृष्ठक्रस्न की टीम मौके पर पहुंची। रेस्क्यू टीम ने मजदूरों को मलबे से निकालने के लिए घंटों तक ऑपरेशन चलाया। पुलिस अधिकारियों ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर राहत बचाव कार्य शुरू कराया। आसपास के लोगों का कहना है कि घटना के बाद बिल्डर ने सोसाइटी के मेन गेट पर बाउंसर खड़े कर दिए, किसी को भी अंदर नहीं जाने दिया गया।

हादसे में 7 लोगों की मौत

पुलिस ने बताया कि सतीश, भागीरथ, मिलन, शिव शंकर, मंगल और परमेश्वर समेत 7 लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने बताया कि चार लोग – छोटे लाल, दीनदयाल, शिवकांत और इंद्रजीत – की हालत गंभीर है।

डिस्ट्रिक्ट हेडक्कार्टर से 40 किलोमीटर दूर साइट : सिदरावली इलाके में स्थित सिग्नेचर ग्लोबल सोसाइटी गुरुग्राम के जिला मुख्यालय से लगभग 40 किलोमीटर दूर है। वहीं, यहां से राजस्थान बॉर्डर करीब 10 किलोमीटर की दूरी पर है। पुलिस जांच में पता चला है कि हादसे में जान गंवाने वाले सभी मजदूरों के पहचान पत्रों पर मानेसर का पता दर्ज है। ये मजदूर हेल्पर, फिटर और ऑपरेटर जैसे अलग–अलग पदों पर काम कर रहे थे।

बच्ची से रेप-हत्या के दोषी की फांसी पर रोक,तिहरी मौत की सजा पर अब सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई

हाईकोर्ट ने भी बरकरार रखी थी सजा

भोपाल, एजेंसी। भोपाल के शाहजहांनाबाद इलाके में 5 साल की मासूम से रेप और हत्या के मामले में दोषी अतुल निहाले की फांसी की सजा पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। शीर्ष अदालत ने अतुल की याचिका पर सुनवाई करते हुए डेथ सेंटेंस को अमल करने पर स्टे दे दिया है। कोर्ट अब मामले में सजा और दोष सिद्धि से जुड़े पहलुओं पर विस्तार से सुनवाई करेगा।

यह आदेश सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय बेंच ने दिया, जिसमें न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया शामिल हैं।

बेंच ने फिलहाल फांसी की सजा के अमल पर रोक लगाते हुए मामले की आगे सुनवाई तय की है। अदालत अब रिकॉर्ड और दोनों पक्षों की दलीलों के आधार पर यह तय करेगी कि निचली अदालतों के फैसले में किसी तरह के हस्तक्षेप की आवश्यकता है या नहीं।

स्पेशल कोर्ट ने सुनाई थी तिहरी फांसी : इस जघन्य मामले में भोपाल के विशेष पॉक्सो कोर्ट ने 18 मार्च 2025 को ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। अदालत ने आरोपी अतुल निहाले को तीन अलग-अलग धाराओं में फांसी की सजा सुनाई थी।

बीएनएस लागू होने के बाद मध्यप्रदेश में यह पहला मामला था, जिसमें किसी दोषी को अलग-अलग धाराओं में तीन बार मृत्युदंड दिया गया था।

इसके अलावा अदालत ने आरोपी को दो धाराओं में उम्रकैद और दो अन्य धाराओं में सात-सात साल की सजा भी सुनाई थी।

हाईकोर्ट ने कहा था- इसकी कल्पना ही रूह कंपा देने वाली : स्पेशल कोर्ट के फैसले को आरोपी ने मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। इस पर सुनवाई करते हुए जबलपुर स्थित हाईकोर्ट की डबल बेंच ने निचली अदालत के फैसले को सही ठहराते हुए फांसी की सजा बरकरार रखी थी।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि आरोपी ने अत्यंत अमानवीय और नृशंस अपराध किया है। हाईकोर्ट ने यह भी टिप्पणी की थी कि पांच साल की बच्ची ने जिस पीड़ा को झेला, उसे शब्दों में समझ पाना मुश्किल है और इसकी कल्पना ही रूह कंपा देने वाली है।

दुर्लभतम श्रेणी का अपराध माना गया : भोपाल की विशेष अदालत ने अपने फैसले में इस अपराध को दुर्लभतम श्रेणी का मामला बताया था। कोर्ट ने कहा था कि यदि मृत्युदंड से भी बड़ी कोई सजा होती तो आरोपी उसका भी पात्र होता। अदालत ने अपने आदेश में लिखा था कि यदि समाज बच्चों को सुरक्षित माहौल नहीं दे सकता, जहां वे अपने घर और आसपास सुरक्षित खेल सकें, तो सभ्य समाज की कल्पना भी कठिन हो जाती है।

300 करोड़ में से सिर्फ प्रदूषण नियंत्रण के लिए आवंटित बजट का केवल 43 प्रतिशत ही किया जा सका खर्च

नईदिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए आवंटित बजट के उपयोग को लेकर एक महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। सूचना के अधिकार (आरटीआइ) के तहत मिले जवाब से पता चला है कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रदूषण नियंत्रण और आपातकालीन उपायों के तहत दिल्ली सरकार द्वारा आवंटित 300 करोड़ रुपये के बजट में से 20 जनवरी, 2026 तक केवल 43 प्रतिशत (लगभग 129.83 करोड़ रुपये) राशि ही खर्च की जा सकी है। आलम यह है कि दिल्ली सरकार वायु प्रदूषण से जंग के लिए केंद्र सरकार से मिला बजट भी खर्च नहीं कर पाई। इस आरटीआइ के जवाब में दिल्ली सरकार के पर्यावरण विभाग ने बताया है कि खर्च की गई अधिकांश राशि अल्पकालिक उपायों और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को हस्तांतरित किए गए फंड पर खर्च हुई है।

पर्यावरण विभाग ने स्पष्ट किया कि वह प्रदूषण नियंत्रण के लिए डीडीए, एमसीडी और दिल्ली जल बोर्ड जैसी कई एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। नियमित रूप से समीक्षा बैठकें भी की जा रही हैं। हालांकि, जानकारों का मानना है कि बजट का समय पर उपयोग न होना दिल्ली की हवा सुधारने की कोशिशों में बाधा बन सकता है।

प्रमुख खर्चों का विवरण : आंकड़ों के अनुसार, प्रदूषण कम करने के लिए मुख्य रूप से एंटी-स्माग गन और स्प्रे सिस्टम का सहारा लिया गया है-

- 23.37 करोड़ रुपये : बिजली के खंभों और सड़क के बीच बने डिवाइडर पर मिस्ट स्प्रे सिस्टम लगाने में खर्च हुए।
- 58.83 करोड़ रुपये : 200 ट्रक-माउंटेड एंटी-स्माग गन किराए पर लेने के लिए दिए गए।
- 47.12 करोड़ रुपये : पिछले साल (2024-25) किराए पर ली गई एंटी-स्माग गन के भुगतान में इस्तेमाल हुए।

कई योजनाओं में शून्य खर्च : चौंकाने वाली बात यह है कि कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए आवंटित करोड़ों रुपये का उपयोग अब तक शुरू ही नहीं हो पाया है। आरटीआइ के अनुसार 20 जनवरी तक निम्नलिखित मदों में शून्य व्यय दर्ज किया गया।

- 70 करोड़ रुपये : भूजल के अवैध दोहन से हुए नुकसान की भरपाई (डीपीसीसी को आवंटित)।
- 64.40 करोड़ रुपये : नगर निगम (एमसीडी) को मैकेनिकल स्वीपिंग मशीनों और वाटर स्प्रिंकलर के लिए आवंटित।
- रियल-टाइम सोर्स अपोर्शनमेंट : प्रदूषण के स्रोतों का पता लगाने वाली स्टडी के लिए आवंटित 1.75 करोड़ रुपये भी अछूते रहे।
- ई-वेस्ट इको पार्क : इस प्रोजेक्ट के लिए रखे गए एक करोड़ रुपये का भी इस्तेमाल नहीं हुआ।

अन्य विभागों की स्थिति : अन्य क्षेत्रों में भी बजट उपयोग की स्थिति मिली-जुली रही। महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट फार क्लाइमेट चेंज ने 9.34 करोड़ में से 5.91 करोड़ रुपये खर्च किए। वहीं, आइआइटी कानपुर के साथ क्लाउड सीडिंग (कृत्रिम वर्षा) के पायलट प्रोजेक्ट के लिए 3.80 करोड़ रुपये आवंटित थे, जिसमें से केवल 38 लाख रुपये ही खर्च हुए।

मिले फंड के इस्तेमाल में भी फिसड्डी साबित हुई है दिल्ली : दिल्ली में वायु प्रदूषण की गंभीर स्थिति के बीच, राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत मिले केंद्र के फंड का उपयोग करने में भी शहर काफी पिछड़ा हुआ है। सेंटर फार साइंस एंड एन्वायरमेंट (सीएसई) की रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली एनसीएपी के फंड के उपयोग में फिसड्डी साबित हुई है, जहां 2019 से अब तक आवंटित राशि का 40 प्रतिशत से भी कम उपयोग किया गया है। गंभीर वायु प्रदूषण के बावजूद, दिल्ली ने 2020-21 से 2025-26 के बीच मिले 113 करोड़ में से केवल 14 करोड़ (लगभग 12-14 प्रतिशत) खर्च किए हैं, जो कम उपयोग और खराब प्रबंधन को दर्शाता है।

प्रमुख बातें : एनसीएपी के तहत कम उपयोग : दिल्ली ने एनसीएपी के तहत प्राप्त राशि का केवल 14 प्रतिशत ही उपयोग किया, जो अन्य शहरों की तुलना में बहुत कम है। करोड़ों का फंड बेकार : नगर निगम ने पिछले दो वर्षों में मिले फंड का बड़ा हिस्सा खर्च नहीं किया, जिससे 2023-24 की शुरुआत में ही 26.6 करोड़ से अधिक की राशि बची हुई थी।

प्रशासनिक और तकनीकी बाधाएं : प्रदूषण नियंत्रण के लिए करोड़ों की राशि उपलब्ध होने के बावजूद, वह धूल प्रबंधन व अन्य तकनीकी सुधारों पर खर्च नहीं हो पाई। असर : फंड के सही उपयोग न होने से दिल्ली को प्रदूषण से जंग में नुकसान हो रहा है।

दिल्ली में सस्ते फ्लैट खरीदने का शानदार मौका, डीडीए इसी सप्ताह निकालेगा ड्रा

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) जनता आवास योजना के तहत कुल 144 ईडब्ल्यूएस फ्लैटों का ड्रा इसी सप्ताह निकालेगा। डीडीए की इस किफायती आवास योजना के लिए सैकड़ों खरीदारों ने आवेदन किए हैं। डीडीए की ओर से इन फ्लैटों का आवंटन 13 मार्च से कंप्यूटर आधारित ड्रा के जरिए किया जाएगा। योजना के तहत द्वारका मोड़ मेट्रो स्टेशन के पास 82 और चांदन होला गांव में 62 ईडब्ल्यूएस फ्लैट बनाए गए हैं। डीडीए अधिकारियों ने बताया कि दोनों स्थानों पर यह फ्लैट निजी बिल्डरों ने बनाए हैं। द्वारका मोड़ मेट्रो स्टेशन के पास बने फ्लैटों का साइज 29.246 से 30.688 वर्ग मीटर है। इन फ्लैटों की कीमत 12.63 से 13.24 लाख रुपये तक हैं। वहीं, छतरपुर मेन रोड पर बने फ्लैटों का साइज 45.575 से 48.249 वर्ग मीटर तक है। यह फ्लैट 23.05 से 24.37 लाख रुपये तक के हैं।

दिल्ली में बेकाबू क्लस्टर बस ने स्कूटी और बाइक सवार को रौंदा, दोनों की मौत

नईदिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी दिल्ली में निहाल विहार थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह नजफगढ़-नांगलोई रोड पर तेज रफ्तार क्लस्टर बस बेकाबू होकर कई वाहनों को टक्कर मारती चली गई। करीब सुबह 9:45 बजे हुए इस हादसे में बस पीछे से स्कूटी, मोटरसाइकिल को टक्कर मार रौंदते हुए आगे निकल गई। इस बीच एक पैडल रिक्शा और कुछ राहगीर भी इसकी चपेट में आ गए। कई टक्कर के बाद बस की रफ्तार कम हुई, जिसके बाद चालक ने ब्रेक लगाकर बस रोका। इस हादसे में दो लोगों की मौत हुई वहीं दो घायल हो गए। मृतकों में निहाल विहार निवासी रविकांत शर्मा (32) और शिवराम पार्क निवासी कमलजीत (39)हैं। रविकांत स्कूटी पर थे, जबकि कमलजीत मोटरसाइकिल चला रहे थे। दोनों को अलग-अलग अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं, घायलों में अमन (23) और रूबी (20) हैं, जो शिवराम पार्क, नांगलोई के रहने वाले हैं और मोटर पार्ट्स की एक कंपनी के सेल्स विभाग में काम करते हैं। दोनों सोमवार सुबह मोटरसाइकिल से आफिस जा रहे थे, तभी बस की चपेट में आ गए। हादसे में रूबी के सिर और आंख के पास चोट लगी है और उसे निहाल विहार के मंसाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक इस हादसे में और भी लोगों को हल्की चोटें आई होंगी, पर वे भीड़ को देख पुलिस के पहुंचने के पूर्व से मौके से चले गए। दुर्घटना के बाद मौके पर करीब 500 लोगों की भीड़ जमा हो गई और बवाल कर दिया। भीड़ ने दुर्घटना में शामिल बस को क्षतिग्रस्त कर दिया और नांगलोई की ओर से आ रही एक अन्य क्लस्टर बस में आग लगा दी। इसके अलावा वहां से गुजर रही पांच से छह अन्य बसों के शीशे तोड़ दिए गए। सूचना मिलने पर पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। दमकल की दो गाड़ियों ने आग पर काबू पाया, जिससे आग आसपास की दुकानों तक नहीं फैल सकी। पुलिस ने हादसे में शामिल बस के चालक दीपक को हिरासत में ले लिया है।

भव्य कार्यक्रम में पीएम मोदी करेंगे नोएडा एयरपोर्ट का लोकार्पण, 45 दिन में शुरू होंगी उड़ाने

जेवर (ग्रेटर नोएडा), एजेंसी। नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू ने बताया कि आमतौर पर एयरोड्रम लाइसेंस मिलने के डेढ़ से दो माह में विमान सेवाएं शुरू होती हैं। इस बीच में एयरलाइंस सहित अन्य सभी एजेंसी उड़ानों की प्लानिंग करते हैं। एयरलाइंस अपनी प्लानिंग के साथ टिकट बिक्री और शेड्यूल जारी करती हैं। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से भी 45 दिनों में ही यात्री उड़ान सेवाएं शुरू की जाएगी। उड़ानों से पहले एयरपोर्ट का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों बड़ स्तर पर भव्य कार्यक्रम के दौरान लोकार्पण होगा। यह बाते राज्यसभा में नागर विमानन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू ने कहीं। उन्होंने राज्यसभा सदस्य सुरेंद्र सिंह नागर ने दूारा पूछे गए सवाल के जबाव में ये बाते कहीं। सुरेंद्र सिंह नागर ने पूछा था कि एयरपोर्ट को एयरोड्रम लाइसेंस मिल चुका है यहां से पहली यात्री उड़ान कब शुरू होगी।

गाजियाबाद में 10 माह बाद किशोरी बरामद, अगवा कर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

साहिबाबाद (गाजियाबाद), एजेंसी। टीला मोड़ थाना पुलिस ने 10 माह बाद किशोरी को बहला फुसलाकर ले जाने वाले आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने किशोरी को भी बरामद किया है। पुलिस पूछताछ में आरोपित ने किशोरी का यौन उत्पीड़न करना स्वीकार किया है। आरोपित के खिलाफ पैतृक गांव में भी पोक्सो एक्त के तहत मामला दर्ज है। पुलिस ने आरोपित को कोर्ट में पेश कर दिया है। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र की एक कालोनी में रहने वाली महिला ने 28 मई 2025 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उनका आरोप था कि उनकी नाबालिग भतीजी दिल्ली पुरानी सीमापुरी में पढ़ाई करने जाती थी। जहां उसकी मुलाकात फिरोज अंसारी से हो गई थी। 26 मई को किशोरी दुकान से सामान लेने गई थी। जिसके बाद वह वापस नहीं आई। फिरोज उसे बहला फुसलाकर ले गया था। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस उसकी गिरफ्तारी के प्रयास कर रही थी। सोमवार सुबह मुखबिर कर सूचना पर आरोपित को भोपुरा तिराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में उसने आरोपित फिरोज ने बताया कि दोनों दो वर्ष से एक-दूसरे को जानते थे। वह उसे अजमेर ले गया था। जहां उसके साथ दुष्कर्म किया। एसीपी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि आरोपित को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर दिया गया है।

पहले भी राष्ट्रपति ने किए हैं बंगाल के दौरे

ममता और उनके मंत्री भी रहे थे मौजूद; इस बार क्यों हुआ विवाद

कोलकाता, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की पिछली बंगाल यात्राओं के दौरान राज्यपाल, मुख्यमंत्री व मंत्रियों की मौजूदगी देखने को मिली थी। राष्ट्रपति मुर्मु ने दो दिवसीय दौरे के हिस्से के रूप में 27 मार्च, 2023 को बंगाल की अपनी पहली यात्रा की। कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनएससीबीआईए) पर पहुंचने पर राष्ट्रपति को सशस्त्र बलों द्वारा औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उनका स्वागत आनंद बोस और नगर मामलों के मंत्री फिरहाद हकीम सहित अन्य लोगों ने किया। हवाई अड्डे से वह हेलीकॉप्टर से रायल कलकत्ता टर्फ क्लब (आरसीटीसी) मैदान पहुंचीं और फिर सड़क मार्ग से राजभवन के लिए रवाना हुईं। आरसीटीसी में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राष्ट्रपति मुर्मु का स्वागत किया। बाद में बनर्जी ने नेताजी इंडोर स्टेडियम में एक आदिवासी सांस्कृतिक कार्यक्रम में राष्ट्रपति का स्वागत किया। शाम को नेताजी इंडोर स्टेडियम में राष्ट्रपति को एक नागरिक स्वागत समारोह दिया गया, जहां राज्यपाल सीवी आनंद बोस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उपस्थित थे। 17 अगस्त, 2023 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु एक दिवसीय दौरे पर कोलकाता आईं और उन्होंने मेरा बंगाल, नशामुक्त बंगाल अभियान और भारतीय नौसेना के जहाज (आइएनएस) विंध्यगिरि का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में राज्यपाल आनंद बोस और मुख्यमंत्री बनर्जी भी उपस्थित थीं। कोलकाता के एनएससीबीआई हवाई अड्डे पर पहुंचने पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का स्वागत राज्यपाल आनंद बोस ने किया। 18 दिसंबर, 2023 को राष्ट्रपति के रूप में बंगाल की अपनी तीसरी यात्रा पर, मुर्मु का कलाइकुंडा वायुसेना स्टेशन पर बंगाल के सूचना एवं इलेक्ट्रानिक्स मंत्री बाबुल सुप्रियो ने स्वागत किया। इस यात्रा के दौरान, उन्होंने आईआईटी खड़गपुर के 69वें दीक्षा समारोह में भाग लिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 30-31 जुलाई, 2025 को बंगाल का दौरा किया।

गुरुग्राम के मानेसर में अवैध कबाड़ गोदामा में लगी आग, जमीन मालिक पर जुर्माने की सिफारिश

मानेसर (गुरुग्राम), एजेंसी। मानेसर नगर निगम क्षेत्र के सेक्टर छह स्थित गांव कांकरौला में सोमवार सुबह करीब सात बजे निजी भूमि पर बने कबाड़ गोदाम में भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही नगर निगम मानेसर ने अग्निशमन विभाग को सूचना दी। 4 फायर टेंडर के नौ चक्करों से आग पर काबू पाया गया। गोदाम में निजी कंपनियों से निकला स्क्रेप रखा हुआ था। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका। कबाड़ के ऊपर से बिजली के तार गुजर रहे थे। तार जले हुए थे लेकिन आग लगने से तार जले हैं या शार्ट सर्किट हुआ इसका पता नहीं लग पाया है। गोदाम में निजी कंपनियों से निकलने वाला प्लास्टिक और सिंथेटिक रेक्जिन का कबाड़ रखा हुआ था। आग लगने से किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। आग लगने की घटना के बाद मौके पर पहुंचे नगर निगम के अधिकारियों ने छानबीन में पाया कि अवैध रूप से गोदाम का संचालन किया जा रहा था। नगर निगम द्वारा भू-मालिक के विरुद्ध 10 से 50 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाने की सिफारिश हरियाणा स्टेट प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों से की है। इसके साथ ही खेड़कीदौला थाना पुलिस को मामला दर्ज करने का अनुरोध किया है। नगर निगम ने एचएसआइआइडीसी के अधिकारियों को भी पत्र लिखकर कहा है कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के साथ मिलकर कबाड़ की पहचान की जाए।

होगी कंसेंट टू ऑपरेट की कार्रवाई : इसके साथ ही यह कबाड़ निकालने वाली कंपनियों के विरुद्ध कंसेंट टू आपरेट की कार्रवाई की जाए। कबाड़ गोदाम में प्लास्टिक स्क्रैप, रबड़, सिंथेटिक रेक्जिन और अन्य ज्वलनशील सामग्री को रखा गया था। इसमें आग तेजी से फैल गई। संयुक्त आयुक्त हितेंद्र कुमार ने बताया कि यहां अवैध रूप से कबाड़ गोदाम का संचालन किया जा रहा था। उन्होंने नगर निगम की ओर से प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को यहां पड़े कचरे की पहचान कर स्त्रोत उद्योगों पर भी न्यूनतम 10 लाख व अधिकतम 50 लाख रुपये जुर्माना लगाने की सिफारिश की है।

क्या ट्रंप की जिद से भड़का संघर्ष: ईरान पर हमला कहीं रणनीतिक भूल तो नहीं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की एक रिपोर्ट में युद्ध से पहले ही कहा गया था कि सैन्य हस्तक्षेप से ईरान में सत्ता परिवर्तन संभव नहीं होगा। इसके बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस्राइल के साथ मिलकर सैन्य कार्रवाई शुरू की। रिपोर्ट में और भी कई खुलासे हुए। आइए, विस्तार से जानते हैं। अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान पर शुरू किए गए युद्ध को लेकर अब नए सवाल उठने लगे हैं। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की एक रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि युद्ध शुरू होने से पहले ही बताया गया थी कि सैन्य हस्तक्षेप से ईरान में सत्ता परिवर्तन संभव नहीं होगा। इसके बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमले का फैसला लिया। अब इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद यह बहस तेज हो गई है कि क्या यह युद्ध एक रणनीतिक भूल साबित हो सकता है।

अमेरिकी खुफिया समुदाय के राष्ट्रीय खुफिया परिषद ने फरवरी में एक विस्तृत आकलन तैयार किया था। इसमें कहा गया था कि सीमित हवाई हमले या लंबे सैन्य अभियान से भी ईरान में नई सरकार बनने की संभावना बेहद कम है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि यदि मौजूदा नेतृत्व को नुकसान पहुंचता है तब भी ईरान की सत्ता संरचना तुरंत नहीं टूटेगी और देश की राजनीतिक व्यवस्था खुद को बनाए रखने की कोशिश करेगी। खुफिया रिपोर्ट के अनुसार ईरान में ऐसा कोई मजबूत और एकजुट विपक्षी गठबंधन मौजूद नहीं है जो मौजूदा नेतृत्व के खत्म होने के बाद सत्ता संभाल सके। यही कारण है कि रिपोर्ट में कहा गया था कि यदि शीर्ष नेतृत्व को भी खत्म कर दिया जाए, तब भी देश में सत्ता परिवर्तन की स्थिति नहीं बनेगी। रिपोर्ट का निष्कर्ष यह था कि ईरान की राजनीतिक व्यवस्था सत्ता की निरंतरता बनाए रखने की कोशिश करेगी। खुफिया आकलन में यह भी कहा गया था कि यदि सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो जाती है तो भी ईरान की धार्मिक और राजनीतिक व्यवस्था तुरंत नया नेतृत्व सामने लाकर सत्ता को स्थिर रखने की कोशिश करेगी। युद्ध की शुरुआत में खामेनेई की मौत के बाद जो घटनाक्रम सामने आया, वह इसी आकलन से मेल खाता दिखा।

नए सुप्रीम लीडर के चयन से क्या संकेत मिला : ईरान के प्रमुख धार्मिक नेताओं ने खामेनेई की मौत के बाद मोजतबा खामेनेई को नया सर्वोच्च नेता चुना। माना जा रहा है कि मोजतबा खामेनेई अपने पिता से भी अधिक कठोर रुख रखने वाले नेता हैं।

उनकी नियुक्ति को ईरान के सत्ता ढांचे की मजबूती और बाहरी दबाव के खिलाफ प्रतिरोध के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। ट्रंप प्रशासन ने युद्ध के क्या कारण बताए? अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके प्रशासन ने ईरान पर हमलों के कई कारण बताए हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने ईरान की पांच खिलाड़ियों को दिया आश्रय

कैनबरा, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच ईरान की महिला फुटबॉल टीम से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। ऑस्ट्रेलिया सरकार ने टीम की पांच खिलाड़ियों को मानवीय आधार पर शरण दे दी है। ये खिलाड़ी एशियाई टूर्नामेंट खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया आई थीं। युद्ध शुरू होने के बाद उनके ईरान लौटने को लेकर चिंता बढ़ गई थी। इसी बीच ऑस्ट्रेलिया सरकार ने उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाकर मानवीय वीजा देने का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया के गृह मामलों के मंत्री टोनी बर्क ने बताया कि मंगलवार तड़के ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस ने खिलाड़ियों को गोल्ड कोस्ट स्थित होटल से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। वहां उनसे मुलाकात की गई और उनके मानवीय वीजा की प्रक्रिया पूरी कर दी गई। सरकार का कहना है कि यह फैसला मानवीय परिस्थितियों को देखते हुए लिया गया है, क्योंकि ईरान इस समय युद्ध की स्थिति से गुजर रहा है। ईरान की महिला फुटबॉल टीम पिछले महीने महिला एशियन कप खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंची थी। टूर्नामेंट खत्म होने के बाद टीम को ईरान लौटना था, लेकिन इसी दौरान अमेरिका और इस्राइल के साथ युद्ध तेज हो गया। लगातार हमलों और असुरक्षा के माहौल के कारण खिलाड़ियों के भविष्य को लेकर चिंता बढ़ गई थी। इसी वजह से ऑस्ट्रेलिया सरकार ने मानवीय आधार पर पांच खिलाड़ियों को शरण देने का निर्णय लिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस मुद्दे पर बयान दिया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि खिलाड़ियों को वापस ईरान भेजना मानवीय गलती होगी, क्योंकि वहां उनकी जान को खतरा हो सकता है। ट्रंप ने ऑस्ट्रेलिया से खिलाड़ियों को शरण देने की अपील की थी। उन्होंने यह भी कहा कि यदि ऑस्ट्रेलिया ऐसा नहीं करता तो अमेरिका उन्हें अपने यहां आश्रय देने को तैयार है।

मिनाब स्कूल धमाका: जांच में टॉमहॉक मिसाइल के इस्तेमाल का संकेत

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब ग्यारहवें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। ऐसे में उग्र होते हालात के बीच बीते दिनों ईरान के मिनाब शहर में हुए एक भीषण धमाके को लेकर नई जानकारी सामने आई है। जांच करने वाले विशेषज्ञों का कहना है कि यह हमला संभवतः अमेरिका की टॉमहॉक क्रूज मिसाइल से किया गया था। यह धमाका एक स्कूल के पास हमला हुआ, जिसमें 165 से अधिक मासूम बच्चियों की मौत हो गई थी। बता दें कि यह घटना 28 फरवरी को ईरान के दक्षिणी होर्मोज्गान प्रांत के शहर मिनाब में हुई। यहां एक स्कूल के पास जोरदार विस्फोट हुआ था। यह स्कूल इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के एक सैन्य अड्डे के बिल्कुल पास स्थित है।

नया वीडियो में क्या-क्या दाव : जहां एक ओर इस हमले के चलते दुनियाभर में हलचल तेज हो गई थी। वहीं दूसरी ओर जांच करने वाली संस्था बेलिंगकैट ने एक नया वीडियो विश्लेषित किया है। यह वीडियो उसी दिन रिकॉर्ड किया गया था जब हमला हुआ था, लेकिन इसे बाद में ईरान की समाचार एजेंसी मेहर समाचार एजेंसी ने जारी किया। वीडियो में एक मिसाइल इमारत से टकराती दिखाई देती है और उसके बाद आसमान में काला धुआं उठता नजर आता है।

ट्रंप ने ईरान पर भी लगा दिया आरोप : हालांकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस मामले में कहा कि उनके अनुसार यह हमला ईरान ने खुद किया होगा। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि ईरान के पास भी टॉमहॉक मिसाइल हो सकती है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि ईरान के पास यह मिसाइल है। टॉमहॉक मिसाइल अमेरिकी रक्षा कंपनी रेथियॉन बनाती है और इसे जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे कुछ सहयोगी देशों को ही बेचा जाता है। जब पत्रकारों ने पूछा कि उनके प्रशासन में सिर्फ वही ऐसा क्यों कह रहे हैं, तो ट्रंप ने जवाब दिया कि उन्हें इस मामले की पूरी जानकारी नहीं है और जो भी आधिकारिक रिपोर्ट आएगी, वह उसे मान लेंगे।

सैटेलाइट तस्वीर में क्या दिखा : समाचार एजेंसी एपी ने इस वीडियो की लोकेशन की जांच की और पाया कि यह वीडियो स्कूल के पास ही रिकॉर्ड किया गया था। सैटेलाइट तस्वीरों और वीडियो में दिख रहे बिजली के खंभे, इमारत और गाड़ियों से इसकी पुष्टि होती है। इसके साथ ही बेलिंगकैट के शोधकर्ता ने कहा कि वीडियो में दिखाई दे रही मिसाइल टॉमहॉक क्रूज मिसाइल जैसी लगती है। यह मिसाइल आमतौर पर अमेरिकी सेना इस्तेमाल करती है। अभी तक इस युद्ध में इसी मिसाइल का इस्तेमाल अमेरिका द्वारा किए जाने की बात सामने आई है। अमेरिकी हमले के शक के पीछे बड़ा कारण यह भी है कि अमेरिकी सेना की कमान संयुक्त राज्य अमेरिका मध्य कमान ने भी स्वीकार किया है कि उसने इस युद्ध में टॉमहॉक मिसाइल का इस्तेमाल किया है।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाकर रास्ता बहाल कराने के दिए निर्देश

जनसुनवाई में 88 आवेदकों की सुनी गई समस्याए

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने आम नागरिकों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।जनसुनवाई के दौरान कुल 88 आवेदकों ने अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत कीं। जनसुनवाई में हरदाई टोला, जवा के नागरिकों द्वारा शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाकर रास्ता बहाल कराने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया गया इस पर कलेक्टर ने एसडीएम जवा को तत्काल जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए वहीं चौर निवासी अनिल कुमार जायसवाल द्वारा सीमांकन कराकर रास्ता दिलाने के आवेदन पर एसडीएम जवा को तीन दिवस के भीतर कार्रवाई कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए इसी प्रकार रामदयाल चौड़ियार के बंटवारे के अनुसार कार्रवाई करने के आवेदन पर एसडीएम गुढ़ को निर्देशित किया गया खैरा निवासी लखनलाल चौधरी के सीमांकन कराने के आवेदन पर तहसीलदार हुजूर को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए मो. सक्सैन द्वारा मकान निर्माण पर रोक लगाने के आवेदन पर भी तहसीलदार हुजूर को परीक्षण कर उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। दुआरी निवासी भोला प्रसाद पटेल द्वारा शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने के आवेदन पर तहसीलदार गुढ़ को समुचित कार्रवाई करने के

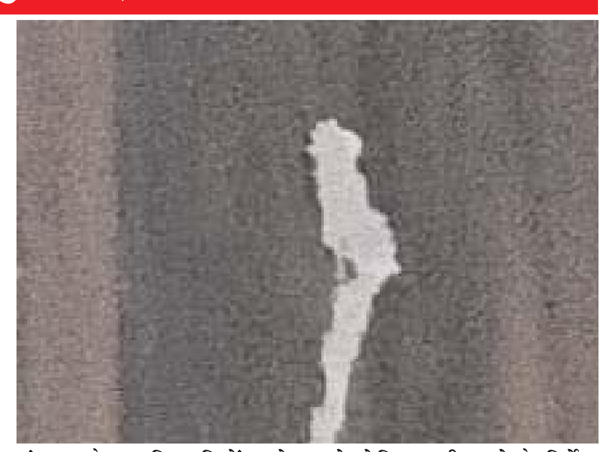

निर्देश दिए गए वहीं पुष्पराज नगर निवासी कुसुम पाण्डेय के अवैध कब्जा हटाने के आवेदन पर कलेक्टर ने तहसीलदार हुजूर को सात दिवस के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए इसके अतिरिक्त हीरामणि मिश्रा (लोही), उमेश कुमार नामदेव (नोनारी दादर, जवा), लाला केवट (पाली 301, सिरमौर) एवं नंदकिशोर शुक्ला (फूल) द्वारा प्रस्तुत विद्युत बिल सुधार संबंधी आवेदनों पर कलेक्टर ने विद्युत मंडल के अधिकारियों को परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कलेक्टर ने शिक्षा विभाग से संबंधित आवेदनों के निराकरण में हुई देरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर राजेश सिन्हा, डिप्टी कलेक्टर सुरभि जैन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कुएं में गिरी नीलगाय,वन विभाग की टीम और ग्रामीणों ने रस्सी के सहारे निकाला बाहर

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। बरहपान गांव में सुबह एक नीलगाय कुएं में गिर गई वन विभाग की टीम ने कई घंटों की मशक्कत के बाद उसे सुरक्षित बाहर निकालकर जंगल में छोड़ दिया। ग्रामीणों ने मंगलवार सुबह करीब 8 बजे खेत के पास बने एक कुएं में नीलगाय को गिरा हुआ देखा उन्होंने तत्काल वन विभाग को इसकी सूचना दी सूचना मिलते ही वन अमले की टीम मौके पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया कुएं की अधिक गहराई के कारण नीलगाय को बाहर निकालने में काफी कठिनाई हुई वन अमले और स्थानीय ग्रामीणों ने मिलकर रस्सियों की सहायता से नीलगाय को धीरे-धीरे बाहर निकाला कई घंटों की मशक्कत के बाद नीलगाय को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। रेस्क्यू के बाद उसकी हालत सामान्य पाई गई इसके बाद उसे पास के जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया गया ताकि वह अपने प्राकृतिक वातावरण में स्वतंत्र रूप से विचरण कर सके मंडल अधिकारी नरेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम को मौके पर भेजा गया था टीम ने स्थानीय ग्रामीणों की मदद से नीलगाय को कुएं से सुरक्षित बाहर निकाला और उसे जंगल में छोड़ दिय इस रेस्क्यू अभियान में परिक्षेत्र सहायक गोभा हरकेश्वर प्रधान, बीट प्रभारी उत्ती भगोदय सिंह सहित वन विभाग के अन्य कर्मचारी और ग्रामीण मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह सम्मेलन में 200 से अधिक जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। 10 मार्च 2026. हनुमना में आयोजित जिला स्तरीय सामूहिक विवाह निकाह आयोजन में 200 से अधिक जोड़े परिणय सूत्र में बंधे गरिमामय समारोह में जिले के विभिन्न क्षेत्र से आये जोड़ों ने वैदिक मंत्रोंच्चार और सामाजिक रीति रिवाज के साथ गृहस्थ जीवन में प्रवेश किया सेठ बिहारीलाल शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हुनमना में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने नवदम्पत्तियों को पुष्पवर्षा कर शुभ आशीर्वाद दिया उपस्थितजनों ने कहा कि गरीब लोगों के लिए यह योजना हितकारी है अब बेटियों के विवाह की चिंता स्वयं सरकार करती है और जनप्रतिनिधियों सहित अधिकारी उपस्थित रह कर वर-वधू को आशीर्वाद देते हैं इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र मिश्र, कलेक्टर संजय कुमार जैन, अध्यक्ष नगर परिषद हनुमना सोनू आशुतोष गुप्ता, एसडीएम रश्मि चतुर्वेदी, अध्यक्ष जनपद पंचायत हनुमना गोविंद नारायण तिवारी सहित बड़ी संख्या में वर-वधू तथा उनके परिजन उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं की प्रतिभा और योगदान का हुआ सम्मान , महिला सशक्तिकरण समाज की प्रगति का आधार है

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर फिट इंडिया वुमेन्स वीक 2026 के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम मानस भवन में विधायक रीती पाठक के मुख्य आतिथ्य तथा जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह की विशिष्ट उपस्थिति में उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया कार्यक्रम महिलाओं की प्रतिभा, स्वावलंबन और उनके योगदान को सम्मान देने का विशेष अवसर बना जिसमें बड़ी संख्या में महिला समूहों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं तथा नागरिकों ने सहभागिता की कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक रीती पाठक ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं के योगदान, परिश्रम और उपलब्धियों को सम्मानित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को

समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से ही नारी को शक्ति का स्वरूप माना गया है और उन्हें पूजनीय स्थान दिया गया है उन्होंने कहा कि आज के समय में महिला सशक्तिकरण केवल महिलाओं के प्रयासों से ही नहीं बल्कि पुरुषों के सहयोग और सकारात्मक सोच से भी संभव है परिवार और समाज में समान अवसर तथा सम्मान का वातावरण बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है बच्चों के पालन-पोषण में लड़का और लड़की के बीच किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए यदि परिवार में समानता के संस्कार विकसित होंगे तो समाज में भी महिलाओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण स्वत: विकसित होगा। विधायक पाठक ने कहा कि आज महिलाएं शिक्षा, सामाजिक कार्य, कृषि, उद्योग और विज्ञान सहित हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं जिनसे महिलाएं आत्मनिर्भर बनकर समाज की मुख्यधारा से जुड़ रही हैं उन्होंने महिलाओं से शिक्षित होने अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने तथा आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए कहा कि जब महिलाएं शिक्षित और आत्मनिर्भर बनती हैं तो परिवार, समाज और देश के विकास को नई दिशा मिलती है जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण समाज के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है महिलाओं को सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण प्रदान करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

कैमोर मूड़ा पहाड़ पर गिट्टी लदा ट्रैक्टर पलटा कार बचाने के प्रयास में हादसा; चालक घायल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अमिलिया थाना क्षेत्र अंतर्गत कैमोर मूड़ा पहाड़ पर मंगलवार की सुबह एक सड़क हादसा हुआ सुबह करीब 7 बजे पिपराही से अमिलिया की ओर जा रहा गिट्टी लदा एक ट्रैक्टर सामने से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रैक्टर पलटने से उसमें लदी गिट्टी पूरी सड़क पर बिखर गई, जिससे मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और कई घंटों तक आवागमन बाधित रहा इससे राहगीरों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। हादसे में ट्रैक्टर चालक नाना पटेल घायल हो गए आसपास मौजूद लोगों और राहगीरों ने तुरंत उन्हें ट्रैक्टर से बाहर निकाला और उपचार के लिए सीधी जिला अस्पताल भेजा उनका इलाज जारी है घटना की सूचना मिलते ही अमिलिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों की मदद से पलटे हुए ट्रैक्टर को हटवाया और सड़क पर फैली गिट्टी को साफ कराया। काफी मशक्कत के बाद सड़क खाली हुई और धीरे-धीरे यातायात सामान्य हो सक प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कैमोर मूड़ा पहाड़ का यह मार्ग संकरा और घुमावदार है जहां तेज रफ्तार से वाहन चलाने पर अक्सर हादसे होते हैं।

नहर में पानी छोड़े जाने की मांग को लेकर 13 मार्च से बाणसागर कार्यालय के सामने अखिल भारतीय किसान सभा का धरना

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बहुती कैनाल नहर से जुड़े क्षेत्रों में पानी छोड़े जाने की मांग को लेकर जिला पंचायत वार्ड क्रमांक 15 के सदस्य कामरेड लालमणि त्रिपाठी ने बाणसागर परियोजना के कार्यपालन यंत्री को पत्र लिखकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है उन्होंने प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि यदि तीन दिवस के भीतर नहरों, नदियों और तालाबों में पानी नहीं छोड़ा गया तो किसानों के हित में आंदोलन किया जाएगा इसके तहत 13 मार्च से बाणसागर कार्यालय, रीवा के सामने अखिल भारतीय किसान सभा के तत्वाधान में किसानों के साथ धरना प्रदर्शन किया जाएगा। कामरेड लालमणि त्रिपाठी ने बताया कि बहुती कैनाल नहर से जुड़े ग्राम पुरवा,

झांझर, व्योहरा, गोरगांव, सोठा, लोही, भीटा, पाहुआ, बंजारी, गेरुई, हटवा और बड़ागांव रतहरा डिस्ट्रीब्यूटर क्षेत्र के किसान इन दिनों पानी की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं नहरों में पानी नहीं छोड़े जाने के कारण खेतों में खड़ी फसलें सूखने की कगार पर पहुंच गई हैं जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका बनी हुई है। उन्होंने आगे कहा कि केवल किसानों की फसलें ही प्रभावित नहीं हो रही हैं बल्कि क्षेत्र में मवेशियों और पक्षियों के लिए भी पानी का संकट उत्पन्न हो गया है इस गंभीर स्थिति को देखते हुए प्रशासन को पूर्व में भी अवगत कराया गया था लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। कामरेड लालमणि त्रिपाठी ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि प्रशासन तीन दिवस के भीतर बहुती कैनाल नहर सहित संबंधित नहरों, नदियों और तालाबों में पानी छोड़ने की व्यवस्था नहीं करता है तो किसानों के साथ बाणसागर कार्यालय रीवा के सामने धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

सीईओ जिला पंचायत ने जनसुनवाई में 122 आवेदनों की समस्याओं की सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला पंचायत सभागार में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। जनसुनवाई के दौरान कुल 122 आवेदनों से संबंधित समस्याएं प्राप्त हुईं, जिनकी सुनवाई करते हुए उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को सभी प्रकरणों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोलंकी ने कहा कि जनसुनवाई शासन की महत्वपूर्ण व्यवस्था है जिसके माध्यम से आमजन अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रख सकते हैं उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण कर त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए जिससे नागरिकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े दूरस्थ क्षेत्रों से आए जरूरतमंदों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 'सुगम टोकन' व्यवस्था के अंतर्गत 12 हितग्राहियों को नि:शुल्क घर वापसी के लिए टोकन प्रदान किए गए जिससे उन्हें सुरक्षित एवं सुगम यात्रा की सुविधा मिल सके इस अवसर पर जिला स्तरीय अधिकारी जनसुनवाई कक्ष में उपस्थित रहे जबकि अन्य अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़कर प्राप्त आवेदनों पर आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देश प्राप्त करते रहे।

हर्ष फायरिंग में युवती की मौत, बड़ी बहन के बेटे के गृह प्रवेश में आई थी; जश्न के बीच पेट में लगी गोली

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। चुरहट थाना क्षेत्र के मवई गांव में सोमवार रात करीब 8 बजे हर्ष फायरिंग के दौरान 20 वर्षीय युवती की गोली लगने से मौत हो गई गंभीर हालत में उसे रीवा के संजय गांधी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया घटना का एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें एक युवक कार्यक्रम के दौरान फायरिंग करता दिख रहा है जानकारी के अनुसार मवई गांव निवासी सनी सिंह के घर बेटे के जन्म के बाद नवजात को घर लाने पर खुशी का कार्यक्रम रखा गया था इसी दौरान कुछ लोग हर्ष फायरिंग कर रहे थे फायरिंग के दौरान चली एक गोली वहां मौजूद रितिका सिंह के पेट में जा लग

जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मृतका के भाई उदय सिंह ने बताया कि वे दोनों अपनी बड़ी बहन के घर रीवा से आए थे भांजे के गृह प्रवेश का कार्यक्रम चल रहा था ढोल बज रहे थे और लोग जश्न मना रहे थे इसी दौरान गांव का ऋषि सिंह बघेल बंदूक लहराते हुए फायरिंग कर रहा था उसकी चलाई गोली रितिका के पेट में लग गई परिजन रितिका को तुरंत रीवा के संजय गांधी मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया रितिका रीवा जिले की रहने वाली थी और टीआरएस कॉलेज में बीकॉम फाइनल ईयर की छात्रा थी। चुरहट थाना प्रभारी दीपक सिंह बघेला ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर यह पता लगाया जा रहा है कि गोली किसने और किस हथियार से चलाई , केस डायरी मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संकल्प से समाधान शिविर में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने सुनीं जनसमस्याए

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन में 'संकल्प से समाधान' अभियान के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 14, आजाद नगर स्थित व्यापारी संघ धर्मशाला प्रांगण में जनसमस्याओं के निराकरण हेतु शिविर का आयोजन किया गया शिविर में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने नागरिकों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए मुख्य कार्यपालन

अधिकारी सोलंकी ने कहा कि 'संकल्प से समाधान' अभियान का उद्देश्य प्रशासन को आमजन के द्वार तक पहुंचाकर उनकी समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान करना है उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त सभी आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना, रास्तों में अतिक्रमण, नालियों की सफाई एवं आयुष्मान योजना, पेयजल व्यवस्था, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना और आवासीय पट्टों से संबंधित शिकायतें एवं आवेदन प्राप्त हुए है ।

सी.एम. हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में लापरवाही पर कारण बताओ नोटिस जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा सी.एम. हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरतने पर संबंधित विभागों के अधिकारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है कलेक्टर ने सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी स्वास्थ्य विभाग, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, जिला आयुष अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी स्कूल शिक्षा विभाग, सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग, उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, उप संचालक उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, कार्यपालन यंत्री नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग और कार्यपालन यंत्री ऊर्जा विभाग को नोटिस जारी किया है जारी नोटिस में निर्देशित किया गया है कि प्राप्त सूचना पत्र के तीन दिनों के भीतर संबंधित शिकायतों का निराकरण कर प्रतिवेदन सहित अपना जवाब प्रस्तुत करें अन्यथा यह स्पष्ट करें कि आपके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करते हुए 7 दिनों की वेतन कटौती क्यों न की जाए कलेक्टर ने अधिकारियों से यह भी कहा कि यदि निर्धारित अवधि में संतोषप्रद जवाब प्रस्तुत नहीं किया जाता है तो एकपक्षीय अनुशासनात्मक कार्यवाही हेतु प्रस्ताव वरिष्ठ कार्यालय को प्रेषित किया जाएगा।

राष्ट्रपति का अनादर, पश्चिम बंगाल सरकार पर उठे सवाल

संपादकीय

कोई नहीं जानता कि ममता बनर्जी को अपनी जगह किसी मंत्री को राष्ट्रपति का स्वागत करने के लिए भेजने में क्या कठिनाई थी? जो भी हुआ, अच्छा नहीं हुआ। राष्ट्रपति के किसी दौरे को दलगत राजनीति से दूर रखा जाना चाहिए और वे जिस आदर एवं सम्मान की अधिकारी हैं, वह उन्हें प्रदान किया जाना चाहिए।

किसी की भी अनदेखी-उपेक्षा उसका अनादर ही होता है। पश्चिम बंगाल के दौरे पर गई राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ ऐसा ही हुआ। चूंकि उन्होंने इसे लेकर अपनी आपत्ति और पीड़ा प्रकट की, इसलिए यह सहज ही समझा जा सकता है कि वास्तव में उनके लिए निर्धारित प्रोटोकाल का उल्लंघन किया गया। यह इससे सिद्ध भी होता है कि उनके कार्यक्रम स्थल में बार-बार बदलाव किया गया और अंततः उसका आयोजन ऐसी जगह किया गया, जहां लोगों को पहुंचने में कठिनाई का सामना करना पड़ा।

इससे भी खराब बात यह रही कि बदले हुए आयोजन स्थल पर जा रहे लोगों को इस आधार पर प्रवेश करने से रोका गया कि उनके पास आवश्यक निमंत्रण पत्र नहीं हैं, लेकिन वे तो वितरित ही नहीं किए गए थे। स्पष्ट है कि बंगाल सरकार में कोई यह चाहता था कि राष्ट्रपति का यह कार्यक्रम सफल न होने पाए। इससे बड़ी विडंबना और कोई नहीं कि आदिवासियों के जिस कार्यक्रम में आदिवासी समाज की राष्ट्रपति को सम्मिलित होना था, उसमें बाधाएं खड़ी की गई।

उनकी किस हद तक अनदेखी की गई, इसका एक प्रमाण यह भी है कि आयोजन स्थल पर उनके लिए आवश्यक सुविधाओं जैसे कि शौचालय आदि की व्यवस्था तक नहीं की गई। राष्ट्रपति जिस तरह पूर्व निर्धारित आयोजन स्थल पर गईं, उससे उन्होंने बंगाल प्रशासन की पोल ही खोली, क्योंकि उन्होंने पाया कि वहां पर कहीं अधिक लोगों के एकत्रित होने के लिए पर्याप्त स्थान था।

अच्छा होता कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनका प्रशासन यह समझता कि राष्ट्रपति के साथ उचित व्यवहार नहीं हुआ, लेकिन वे राष्ट्रपति को ही कठघरे में खड़ा करने में लग गईं। उन्होंने उन पर यह आरोप भी जड़ दिया कि वे भाजपा के इशारे पर राजनीति कर रही हैं। आखिर आदिवासियों के सम्मेलन में आदिवासी समाज की ही राष्ट्रपति का जाना दलगत राजनीति का विषय कैसे हो गया? यह समझ आता है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चुनाव आयोग के खिलाफ धरने पर बैठे होने के कारण राष्ट्रपति की अगवानी के लिए नहीं पहुंच सकीं, लेकिन वे अपनी ओर से किसी मंत्री को तो इस कार्य के लिए नियुक्त कर ही सकती थीं। प्रोटोकाल भी यही कहता है और इसके कई उदाहरण हैं कि जब राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति अथवा प्रधानमंत्री के आगमन पर मुख्यमंत्री उपस्थित नहीं हो पाते तो वे अपने किसी मंत्री को उनके स्वागत के लिए भेजते हैं।

धूम्रपान और सिगरेट का हर कश मौत के साथ एक खामोश समझौता

दिलीप कुमार पाठक

(11 मार्च धूम्रपान निषेध दिवस)

हर साल मार्च के दूसरे बुधवार को दुनिया भर में धूम्रपान के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य लोगों को बीड़ी, सिगरेट की जानलेवा लत से बचाना और उन्हें एक स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। आज का दौर बेहद प्रतिस्पर्धात्मक है, जहाँ काम के बोझ और मानसिक तनाव के कारण लोग अक्सर नशे की शरण में चले जाते हैं। विशेषकर युवाओं के बीच धूम्रपान करना एक फैशन या दिखावे का जरिया बनता जा रहा है, जो कि गंभीर चिंता का विषय है। अक्सर दोस्त-यार के दबाव में आकर या केवल कौतूहलवश पहली बार सिगरेट को हाथ लगाया जाता है, लेकिन यह एक कश कब शरीर की मजबूरी बन जाता है, पता ही नहीं चलता। सिगरेट में मौजूद निकोटीन दिमाग को कुछ पल के लिए शांत करने का भ्रम पैदा करता है, जबकि वास्तविकता में यह शरीर के भीतर एक धीमा जहर घोलने का काम कर रहा होता है।

मेडिकल साइंस के अनुसार, तम्बाकू के सेवन से फेफड़ों का कैंसर होने का खतरा सबसे अधिक रहता है, क्योंकि इसका जहरीला धुआं सीधे साँस की नली में सूजन और संक्रमण पैदा करता है। केवल फेफड़े ही नहीं, बल्कि हृदय रोग, स्ट्रोक और उच्च रक्तचाप जैसी घातक बीमारियों के पीछे भी मुख्य कारण धूम्रपान ही पाया गया है। धूम्रपान का असर न केवल आंतरिक अंगों पर पड़ता है, बल्कि यह व्यक्ति की बाहरी सुंदरता और आत्मविश्वास को भी छीन लेता है। होंठों का काला पड़ना, दांतों का पीला होना और समय से पहले चेहरे पर झुर्रियां आना इसके स्पष्ट संकेत हैं। सबसे दुखद पहलू पैसिव स्मोकिंग है, जो उन निर्दोष लोगों को बीमार करती है जो खुद कभी धूम्रपान नहीं करते। जब कोई व्यक्ति सार्वजनिक स्थान, कार्यालय या घर के भीतर सिगरेट पीता है, तो वह धुआं हवा में घुलकर आसपास के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों की सांसों में जहर घोल देता है। घर के भीतर धूम्रपान करना अपने ही परिवार की सेहत के साथ खिलवाड़ करने जैसा है, जिससे बच्चों में अस्थमा और सांस की गंभीर बीमारियां पैदा हो सकती हैं। सरकार ने सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर कानूनी रोक लगाई है और विज्ञापनों के जरिए भी इसके खतरों को लगातार बताया जाता है, लेकिन असली बदलाव केवल कानून से नहीं, बल्कि व्यक्ति की अपनी मजबूत इच्छाशक्ति से ही संभव है।

यदि आप सिगरेट की इस बेड़ी को तोड़ना चाहते हैं, तो सबसे पहले स्वयं से एक सच्चा वादा करें और इसे छोड़ने की एक निश्चित तारीख तय करें। अपने आस-पास से लाइटर, माचिस और एश-ट्रे जैसी चीजें हटा दें जो आपको लत की याद दिलाती हों। अपने परिवार और उन मित्रों को अपने इस फैसले के बारे में जरूर बताएं जो आपकी परवाह करते हैं, क्योंकि उनका मानसिक समर्थन इस कठिन सफर में आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगा। जब भी सिगरेट पीने की तीव्र तलब महसूस हो, तो तुरंत अपना ध्यान कहीं और लगाएं, खूब पानी पिएं या कोई फल खाएं। सौंफ, इलायची या अदरक के टुकड़े पास रखना तलब को कम करने में काफी मददगार साबित होता है। सुबह की सैर, हल्का व्यायाम और प्राणायाम फेफड़ों को नई शक्ति प्रदान करते हैं, जबकि ध्यान मानसिक तनाव को नियंत्रित करने में सहायक होता है। खाली समय में खुद को किसी रचनात्मक कार्य या अपनी पसंदीदा हॉबी में व्यस्त रखें ताकि सिगरेट का विचार मन में न आए।

धूम्रपान छोड़ने का एक और बड़ा फायदा आर्थिक बचत है; एक पैकेट सिगरेट की कीमत साल भर में एक बड़ी राशि बन जाती है, जिसे आप बेहतर भविष्य या परिवार की खुशियों के लिए निवेश कर सकते हैं। अच्छी खबर यह है कि जैसे ही आप सिगरेट छोड़ते हैं, शरीर खुद को रिपेयर करना शुरू कर देता है। मात्र 24 घंटे के भीतर शरीर से कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी जहरीली गैस बाहर निकलने लगती है और हृदय गति सामान्य होने लगती है। कुछ ही हफ्तों में आपके स्वाद और सूंघने की शक्ति में सुधार आता है और एक साल बीतते-बीतते दिल की बीमारियों का खतरा आधा रह जाता है। हमारी हर सांस कीमती है और इसे धुएं में उड़ाना समझदारी नहीं है।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल भारतीय क्रिकेट के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गया। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने केवल एक टूर्नामेंट नहीं जीता, बल्कि लगातार सफलता की ऐसी कहानी लिखी जिसने दुनिया को भारतीय क्रिकेट की ताकत का एहसास करा दिया। पिछले तीन वर्षों में तीन आईसीसी ट्रॉफी जीतना इस बात का प्रमाण है कि टीम इंडिया ने निरंतरता, आत्मविश्वास और सामूहिक मेहनत से सफलता का नया अध्याय रचा है।

तीन साल में तीन आईसीसी ट्रॉफी- भारतीय क्रिकेट का स्वर्णिम दौर और खिलाड़ियों की मेहनत का ऐतिहासिक फल

कांतिलाल मांडोत

भारत की इस शानदार जीत में बल्लेबाजों से लेकर गेंदबाजों तक सभी खिलाड़ियों का योगदान रहा। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 5 विकेट के नुकसान पर 255 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर भी बन गया। इतने बड़े लक्ष्य के सामने न्यूजीलैंड की टीम दबाव में आ गई और पूरी टीम 159 रन पर ही सिमट गई। इस प्रकार भारत ने न केवल जीत दर्ज की बल्कि टी-20 क्रिकेट में अपनी आक्रामक शैली का शानदार प्रदर्शन भी किया।

इस ऐतिहासिक जीत का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि भारत ने तीन साल के भीतर तीन आईसीसी ट्रॉफियां जीतने का कारनामा किया है। वर्ष 2024 में भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर लगभग 17 वर्षों बाद इस खिताब को अपने नाम किया था। इसके बाद 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर टीम ने अपनी लय बरकरार रखी और अब 2026 में फिर से टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर विश्व क्रिकेट में अपना दबदबा साबित कर दिया। लगातार दो बार टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारत पहली टीम बन गई है और यह उपलब्धि भारतीय क्रिकेट के स्वर्णिम दौर को दर्शाती है।

टीम इंडिया की सफलता के पीछे केवल प्रतिभा नहीं बल्कि खिलाड़ियों की कठिन मेहनत, अनुशासन और टीम भावना भी है। इस टूर्नामेंट में भारतीय बल्लेबाजों ने जिस आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की, उसने विरोधी टीमों के गेंदबाजों को लगातार दबाव में रखा। पूरे टूर्नामेंट में भारत ने 106 छक्के लगाए, जो किसी भी टी-20 वर्ल्ड कप के एक संस्करण में सबसे अधिक हैं। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि भारतीय टीम अब केवल तकनीकी रूप से मजबूत ही नहीं बल्कि आक्रामक क्रिकेट खेलने में भी सबसे आगे है।

इस शानदार प्रदर्शन में सबसे बड़ा योगदान रहा भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन का। संजू सैमसन ने पूरे टूर्नामेंट में 321 रन बनाए और भारत के लिए एक टी-20 वर्ल्ड कप संस्करण में सबसे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम था, जिन्होंने 2014 में 319 रन बनाए थे। संजू की बल्लेबाजी में आत्मविश्वास, आक्रामकता और जिम्मेदारी का अद्भुत संतुलन दिखाई दिया, जिसने भारत को कई कठिन मैचों में जीत दिलाई।

संजू सैमसन की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि उन्होंने बड़े मैचों में शानदार प्रदर्शन किया। सेमीफाइनल और फाइनल जैसे दबाव भरे मुकाबलों में भी उन्होंने अर्धशतक लगाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। पूरे टूर्नामेंट में उनका स्ट्राइक रेट लगभग 200 के आसपास रहा, जो टी-20 क्रिकेट के लिए बेहद प्रभावशाली माना जाता है। उनके इस शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया।

भारतीय टीम की बल्लेबाजी में इंसान किशन और अभिषेक शर्मा ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ईशान किशन ने पूरे टूर्नामेंट में 317 रन बनाए और कई मैचों में तेज शुरुआत देकर टीम को मजबूत आधार दिया। वहीं अभिषेक शर्मा ने फाइनल में केवल 18 गेंदों में अर्धशतक लगाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को पूरी तरह से दबाव में ला दिया।

टीम इंडिया की गेंदबाजी भी इस टूर्नामेंट में उतनी ही प्रभावशाली रही। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट हासिल किए। फाइनल मैच में उन्होंने केवल 15 रन देकर 4 विकेट लिए और न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। उनकी सटीक लाइन-लेंथ और दबाव में शानदार गेंदबाजी ने भारत की जीत को आसान बना दिया। यही कारण है कि उन्हें फाइनल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया।

भारतीय टीम की सफलता में ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का योगदान भी बेहद महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया। हार्दिक ने 200 से अधिक रन बनाए और साथ ही महत्वपूर्ण विकेट भी हासिल किए। सेमीफाइनल में उनके ऑलराउंड प्रदर्शन ने भारत को इंग्लैंड के खिलाफ रोमांचक जीत दिलाई, जिसने टीम का आत्मविश्वास और भी मजबूत कर दिया।

फाइनल मुकाबले में शिवम दुबे की छोटी लेकिन विस्फोटक पारी भी बेहद अहम साबित हुई। जब भारत की पारी थोड़ी धीमी पड़ती दिखाई दे रही थी, तब शिवम दुबे ने अंतिम ओवरों में तेज रन बनाकर टीम का स्कोर 255 तक पहुंचा दिया। उनकी केवल 8 गेंदों में 26 रन की पारी ने न्यूजीलैंड के सामने बेहद मुश्किल लक्ष्य खड़ा कर दिया।

इस पूरी सफलता के पीछे टीम के कोच गौतम गम्भीर की रणनीति और मार्गदर्शन भी महत्वपूर्ण रहा। गंभीर पहले खिलाड़ी के रूप में बड़े फाइनल मैचों में शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं और अब कोच के रूप में भी उन्होंने टीम को सफलता दिलाई है। उनकी सोच, रणनीति और खिलाड़ियों पर विश्वास ने टीम को लगातार जीत दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई।

भारतीय टीम की इस जीत ने पूरे देश में उत्साह और गर्व का माहौल बना दिया। जीत के बाद देशभर में लोगों ने सड़कों पर उतरकर जश्न मनाया। कई जगहों पर आतिशबाजी हुई और लोग तिरंगा लेकर खुशी से झूमते नजर आए। यह जीत केवल खिलाड़ियों की नहीं बल्कि पूरे देश की जीत बन गई।

दरअसल, खेल केवल प्रतिभा का नहीं बल्कि मेहनत, धैर्य और टीम भावना का परिणाम होता है। भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार अभ्यास, फिटनेस और मानसिक मजबूती के साथ खुद को तैयार किया और कठिन परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी। यही कारण है कि उनकी मेहनत का फल अब लगातार जीत के रूप में सामने आ रहा है।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 की यह जीत केवल एक ट्रॉफी नहीं बल्कि भारतीय क्रिकेट के आत्मविश्वास और भविष्य की दिशा का प्रतीक है। यह सफलता आने वाली पीढ़ियों के खिलाड़ियों को प्रेरणा देगी कि अगर मेहनत, समर्पण और टीमवर्क के साथ खेला जाए तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। भारतीय क्रिकेट टीम ने इस जीत के साथ दुनिया को यह संदेश दे दिया है कि वह केवल मजबूत टीम ही नहीं बल्कि विश्व क्रिकेट की नई शक्ति बन चुकी है। खिलाड़ियों की मेहनत, कोच की रणनीति और करोड़ों भारतीयों के समर्थन ने मिलकर यह ऐतिहासिक सफलता संभव बनाई है। यही कारण है कि आज हर भारतीय गर्व से कह सकता है कि यह जीत मेहनत, विश्वास और सपनों की जीत है। (वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

राष्ट्रपति, पश्चिम बंगाल सरकार को बर्खास्त क्यों नहीं कर देती?

भारत में जब किसी राज्य में कानून-व्यवस्था या राजनीतिक टकराव को लेकर विवाद बढ़ता है, तो अक्सर यह सवाल उठता है कि केंद्र सरकार या राष्ट्रपति उस राज्य की सरकार को क्यों नहीं हटा देते? हाल के समय में भी पश्चिम बंगाल की स्थिति को लेकर ऐसी चर्चाएँ सुनाई देती हैं। लेकिन भारतीय संविधान में राज्य सरकार को बर्खास्त करना इतना सरल या मनमाना निर्णय नहीं है। इसके लिए स्पष्ट संवैधानिक प्रक्रिया और ठोस कारण आवश्यक होते हैं। अभी हाल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 7 मार्च, 2026) को पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में अंतर्राष्ट्रीय संथाल परिषद द्वारा आयोजित 9वें अंतर्राष्ट्रीय संथाल सम्मेलन में भाग लेने गईं थीं जहां कई अव्यवस्थायें देखने को मिलीं। जिस लेकर राष्ट्रपति ने अपनी नाराजगी जाहिर की थी।

सौरभ वार्ष्णेय

इस पर विपक्ष का कहना था कि वहां चुनाव है इसलिए भारतीय जनता पार्टी संवैधानिक पदों का भी राजनीतिक इस्तेमाल कर रही हैं ? जबकि राष्ट्रपति का पद राजनीति से बहुत ऊपर है। अब बात निकली है तो बहुत दूर तक जाना तो तय है।

यह मुद्दा इतना गर्म हो गया था कि दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा राष्ट्रपति जी के अपमान और संथाल संस्कृति के साथ किए गए लापरवाही भरे व्यवहार की कड़ी निंदा करते हुए इस घटना को शर्मनाक बताते हुए कहा कि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। जो भी लोकतंत्र और आदिवासी समुदायों के सशक्तिकरण में विश्वास करता है, वो इस घटना से बहुत निराश है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति जी खुद आदिवासी समुदाय से हैं, और उन्होंने जो दर्द और पीड़ा व्यक्त की है उसने भारत के लोगों को बहुत दुःखी किया है। पश्चिम बंगाल में टीएमसी सरकार ने सारी हदें पार कर दी हैं और राष्ट्रपति के इस अपमान के लिए उनका प्रशासन जिम्मेदार है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि यह भी उतना ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि संथाल संस्कृति जैसे महत्वपूर्ण विषय के साथ पश्चिम बंगाल सरकार इतना लापरवाही भरा व्यवहार कर रही है। इस कार्यालय की पवित्रता का हमेशा सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने उम्मीद ज़ाहिर की कि पश्चिम बंगाल सरकार

और टीएमसी को सद्बुद्धि आएगी।

अब ऐसे में भारत की राष्ट्रपति, वर्तमान में द्रोपदी मुर्मु, देश के संवैधानिक प्रमुख हैं। हालांकि वे अधिकांश मामलों में मंत्रिपरिषद की सलाह पर ही निर्णय लेती हैं। किसी राज्य की सरकार को हटाने का प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत आता है, जिसे आम तौर पर राष्ट्रपति शासन' कहा जाता है। इसका प्रयोग तभी किया जा सकता है जब यह साबित हो जाए कि राज्य में संवैधानिक तंत्र पूरी तरह विफल हो गया है।पश्चिम बंगाल में वर्तमान में सरकार का नेतृत्व मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी कर रही हैं। यदि राज्य में राजनीतिक हिंसा, प्रशासनिक विफलता या अन्य गंभीर स्थिति की शिकायतें होती भी हैं, तब भी केवल आरोपों या राजनीतिक मतभेद के आधार पर सरकार को बर्खास्त नहीं किया जा सकता। इसके लिए राज्यपाल की रिपोर्ट, केंद्र सरकार का आकलन और अंततः संसद की मंजूरी जैसी प्रक्रियाएँ जरूरी होती हैं।

इतिहास बताता है कि अनुच्छेद 356 का कई बार राजनीतिक कारणों से दुरुपयोग हुआ है। इसी कारण एसआर बोम्माई वर्सिस यूनियन ऑफ इंडिया के ऐतिहासिक फैसले में सुप्रीम कोर्ट इंडिया ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति शासन लागू करने का निर्णय न्यायिक समीक्षा के दायरे में रहेगा और इसे मनमाने तरीके से लागू नहीं किया जा सकता। इस फैसले के बाद राज्यों की चुनी हुई सरकारों को हटाना पहले की तुलना में कहीं अधिक कठिन हो गया है।

लोकतंत्र में जनता द्वारा चुनी गई सरकार को हटाने का सबसे बड़ा अधिकार अंततः जनता के पास ही होता है। यदि किसी राज्य की सरकार से असंतोष है, तो उसका समाधान चुनाव के माध्यम से किया जाता है। इसलिए केवल राजनीतिक विवाद या आरोपों के आधार पर राष्ट्रपति द्वारा सीधे राज्य सरकार को बर्खास्त करना न तो संवैधानिक रूप से उचित है और न ही लोकतांत्रिक परंपरा के अनुकूल। इस प्रकार, पश्चिम बंगाल सरकार को हटाने का सवाल केवल राजनीतिक इच्छा का नहीं, बल्कि संवैधानिक प्रक्रिया और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का विषय है। जब तक यह साबित न हो जाए कि राज्य में संवैधानिक व्यवस्था पूरी तरह विफल हो चुकी है, तब तक किसी भी सरकार को बर्खास्त करना संभव नहीं होता।

अब सवाल उठता है कि पश्चिम बंगाल सरकार पर नाराज़ होने की चर्चा मुख्यतः राज्य में कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक टकराव और केंद्र-राज्य संबंधों से जुड़े मुद्दों के कारण उठती रही है। हाल के समय में कुछ घटनाओं ने इस तनाव को और बढ़ाया है। पश्चिम बंगाल में कई बार राजनीतिक हिंसा, चुनावी टकराव और साम्प्रदायिक तनाव की घटनाएँ सामने आती रही हैं। ऐसी परिस्थितियों में केंद्र सरकार और संवैधानिक संस्थाएँ राज्य सरकार से सख्त कार्रवाई की अपेक्षा करती हैं। जब स्थिति गंभीर मानी जाती है, तो राष्ट्रपति तक इसकी रिपोर्ट पहुँचती है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी और केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार के बीच कई मुद्दों पर मतभेद रहे हैं– जैसे केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई, राज्यपाल के साथ विवाद, और नीतिगत फैसले। इन राजनीतिक टकरावों से भी स्थिति तनावपूर्ण बनती है।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल समय-समय पर राज्य की स्थिति को लेकर केंद्र को रिपोर्ट भेजते रहे हैं। यदि रिपोर्ट में प्रशासनिक विफलता या गंभीर कानून-व्यवस्था की समस्या बताई जाती है, तो राष्ट्रपति का ध्यान उस ओर जाता है। राष्ट्रपति का काम सीधे गुस्सा दिखाना नहीं होता, बल्कि संविधान की रक्षा करना होता है। अगर किसी राज्य में संवैधानिक व्यवस्था बिगडने की आशंका हो, तो राष्ट्रपति केंद्र सरकार की सलाह पर कदम उठा सकते हैं (जैसे अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति शासन)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की नाराजगी की चर्चा असल में पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था, राजनीतिक संघर्ष और केंद्र-राज्य संबंधों के तनाव से जुड़ी है। हालांकि राष्ट्रपति स्वयं राजनीतिक बयान कम ही देती हैं और अधिकतर कार्रवाई संवैधानिक प्रक्रिया के अनुसार ही होती है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है, समाचार पत्र व पत्रिकाओं में समसामयिक विषयों पर चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)

75 साल पुरानी सिंचाई योजना को हरी झंडी

48.92 करोड़ की स्वीकृति, 1800 हेक्टेयर खेतों की होगी सिंचाई

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। बेलतरा की नेवसा उद्वहन सिंचाई योजना को 75 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद आखिरकार हरी झंडी मिल गई है इस योजना के लिए 48.92 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है जिससे लगभग 1800 हेक्टेयर कृषि भूमि में सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो सकेगी बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला के प्रयासों से यह योजना स्वीकृत हुई है। उन्होंने योजना को पूर्ण करने के लिए मिली प्रशासकीय स्वीकृति पर मुख्यमंत्री साय और वित्त मंत्री चौधरी के प्रति आभार व्यक्त किया है। विधायक शुक्ला ने बताया कि नेवसा उद्वहन सिंचाई योजना के तहत लिफ्ट इरिगेशन प्रणाली विकसित की जाएगी। इस पद्धति में जल स्त्रोत से पानी को पंप या मोटर की सहायता से ऊपर उठाकर पाइपलाइन के माध्यम से खेतों तक पहुंचाया जाता है जिससे ऊंचाई पर स्थित खेतों को भी पानी मिल सकेगा इस योजना के अंतर्गत खारंग जलाशय से सोलर पंप और पाइपलाइन के माध्यम से लगभग 1400 हेक्टेयर खरीफ और 400 हेक्टेयर रबी कुल 1800 हेक्टेयर कृषि क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी योजना के क्रियान्वयन से क्षेत्र के किसानों को स्थायी सिंचाई सुविधा मिलेगी और कृषि उत्पादन को नई गति मिलेगी। उल्लेखनीय है कि बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के कई गांव खूंटाघाट बांध के समीप होने के बावजूद लगभग 75 वर्षों से सिंचाई सुविधाओं से वंचित थे किसानों को कृषि कार्यों में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था इस समस्या के समाधान के लिए विधायक सुशांत शुक्ला ने लगातार पहल की थी जिसके परिणामस्वरूप अब इस महत्वाकांक्षी योजना को स्वीकृति मिली है। इस योजना से नेवसा, गिधौरी, कर्रा, जाली, टेकर, गढ़वट, अकलतरी, बाम्हु, बेलतरा, कड़री, सलखा, लिम्हा सहित 15 से अधिक ग्रामों के किसान सीधे लाभान्वित होंगे सिंचाई की बेहतर व्यवस्था से कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी और क्षेत्र की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

रेलवे ट्रैक किनारे मिली महुआ शराब की भट्ठी, महुआ लहान;बनाने वालों को नहीं पकड़ पाई पुलिस

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। बिलासपुर में रेलवे ट्रैक किनारे नाले के पास भट्ठी लगाकर महुआ शराब तैयार की जा रही थी पुलिस ने दबिश देकर नाले में गड्ढों में छिपाकर रखे 300 डिब्बों से करीब 6 टन महुआ लहान बरामद किया जांच और पूछताछ के बाद भी कच्ची शराब बनाने वाले लोगों का पता नहीं चल सका पुलिस ने बरामद लहान को मौके पर ही नष्ट कर दिया मामला कोनी थाना क्षेत्र का है। सीएसपी गगन कुमार ने बताया कि सोमवार को मुखबिर से सूचना मिली कि शहर से लगे घुटकू इलाके में रेलवे लाइन पास बड़ी मात्रा में महुआ लहान छिपाकर रखा गया है जहां कच्ची शराब बनाने की तैयारी चल रही थी सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची तलाशी के दौरान रेलवे ट्रैक किनारे नाले में बड़ी मात्रा में अवैध महुआ लहान मिला

300 डिब्बों में भरा मिला लहानः जांच में पता चला कि लहान को 300 डिब्बों में भरकर सड़ाने के लिए गड्ढों में रखा गया था। इन डिब्बों को झाड़ियों के बीच छिपाकर रखा गया था। पुलिस ने सभी डिब्बों को बाहर निकाला, जिनमें करीब 6000 किलो लहान मिला। कोनी थाना प्रभारी भावेश शेंडे की टीम ने आसपास के घरों की तलाशी ली लेकिन कहीं भी शराब नहीं मिली इलाके के लोगों से पूछताछ भी की गई, फिर भी लहान रखने वाले लोगों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी।

राहगीरों पर गिरा 50 साल पुराना पेड़ :6 से ज्यादा लोग घायल बच्ची की हालत गंभीर

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। सड़क से गुजर रहे राहगीरों पर एक पेड़ अचानक गिर गया हादसे में आधा दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए घायलों में पैदल चलने वाले लोग और दोपहिया वाहन चालक शामिल हैं बताया जा रहा है कि घायलों में एक 17 वर्षीय बच्ची की हालत गंभीर है। जानकारी के मुताबिक यह पेड़ करीब 50 साल पुराना था और उसमें दीमक लग चुकी थी जिससे वह कमजोर हो गया था इसी कारण अचानक सड़क पर गिर पड़ा घटना के बाद वहां से गुजर रहे लोगों और सेना के जवानों ने तुरंत मदद करते हुए घायलों को अस्पताल पहुंचाया यह हादसा मुरार थाना क्षेत्र के होरावली इलाके में दोपहर करीब 12 से 12:30 बजे के बीच हुआ जानकारी के मुताबिक17 वर्षीय तनिष्का कुशवाहा के सिर में चोट आई है वह सातवीं कक्षा की छात्रा है उसे आईटीएम कॉलेज के पास मेट्रो हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती किया गया है जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

नर्स से शादी के बदले दहेज में मांगे 15 लाख रुपए देने से इनकार पर पूरे परिवार को पीटा

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। एक लव मैरिज के बीच में 15 लाख के दहेज की मांग से हंगामा हो गया। युवती के भाई ने रुपए देने से मना किया तो लड़के के पिता ने युवती उसके भाई और मां को सड़क पर दौड़ा-दौड़ा कर पीटा है घर में तोड़फोड़ भी की है इतना ही नहीं शादी भी तोड़ दी। हालांकि लड़का अभी भी शादी करना चाहता है घटना हजीरा स्थित राधा-कृष्ण विहार कॉलोनी में शाम को हुई है। यहां युवक कृष्णा कुशवाह अपनी मां और बहन निशा के साथ रहता है कृष्णा की बहन नर्स है। वह पास ही रहने वाले युवक अभय मौर्य से लव मैरिज करना चाहती है। अभय मौर्य के पिता राघवेंद्र मौर्य, मां सुनीता मौर्य और मामा अनिल निगम इस प्रेम विवाह के लिए तैयार हो गए था विवाह पक्का हो गया दोनों परिवारों में शादी के लिए तैयारियां प्रारंभ कर दी गई इसी बीच, अभय के परिजन युवती के परिवार से दूरी बनाने लगे युवती ने उनसे बात करनी चाही तो कोई ठोस जवाब नहीं मिला दूसरी ओर, अभय लगातार युवती के टच में रहा और कहता रहा कि चिंता न करे शादी तो होकर रहेगी। इस बीच युवती के घर राधा-विहार कॉलोनी में अभय के पिता राघवेंद्र मां सुनीता और मामा अनिल निगम पहुंचे थे यहां बातचीत के दौरान उनसे कहा गया कि 15 लाख रुपए का दहेज चाहिए दहेज मिलने के बाद ही दोनों की शादी होगी युवती के भाइग् कृष्णा और उसके परिजनों ने कहा कि दहेज के रूप में इतनी बड़ी रकम कहां से लाकर देंग अभय के माता-पिता और मामा ने साफ कह दिया कि दहेज के बिना शादी नहीं होगी यहीं से बहस होने लगी बात बिगड़ी और अभय के मामा अनिल निगम ने कृष्णा और उसकी मां पर हमला कर दिया डंडे से मारपीट करना शुरू कर दी। इसमें अभय के पिता राघवेंद्र और मां सुनीता भी शामिल हो गई तीनों ने कृष्णा और उसकी मां को बुरी तरह से पीट दिया कृष्णा के मुंह में डंडा पड़ा तो मुंह सूज गया उसकी मां की उंगलियां और हाथ में चोटें आई हैं भाई को बचाने आई बहन को भी अभय के परिजन ने सड़क पर जमकर पीटा है। युवती के भाई कृष्णा का कहना है कि शादी में अभय के मामा सबसे बड़े विलेन बने हैं।

'302-307' नाम के व्हाट्सएप ग्रुप पुलिस ने पकड़े, झगड़ा होते ही ग्रुप में मैसेज

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर की कोतवाली पुलिस ने ऐसे व्हाट्सएप ग्रुप पकड़े हैं जिनका इस्तेमाल युवक झगड़े और विवाद में एक-दूसरे को बुलाने के लिए कर रहे थे। पुलिस ने इन ग्रुपों से जुड़े 16 से 21 साल के छात्रों और उनके अभिभावकों को थाने बुलाकर समझाइश दी और ग्रुप डिलीट करवा दिए पुलिस जांच में '302', '307' और 'गैंगस्टर' नाम के तीन व्हाट्सएप ग्रुप सामने आए। इन ग्रुपों में करीब 15 से 20 सदस्य जुड़े हुए थे ज्यादातर सदस्य छात्र थे, जिनमें कुछ नाबालिग भी शामिल बताए जा रहे हैं पुलिस के मुताबिक ये युवक किसी से झगड़ा या विवाद होने पर व्हाट्सएप ग्रुप में मैसेज डाल देते थे इसके बाद ग्रुप के बाकी सदस्य मौके पर पहुंचकर साथ देते थे इसी तरह धीरे-धीरे ये ग्रुप युवकों के बीच गैंग की तरह काम करने लगे थे पुलिस ने ग्रुप डिलीट कराए जांच में यह भी सामने आया कि इन ग्रुपों में शामिल कई छात्र साथ रहकर पढ़ाई कर रहे हैं कुछ अपने परिवार के साथ रहते हैं जबकि कुछ किराए के कमरे लेकर रह रहे हैं सूचना मिलने के बाद पुलिस ने सभी को थाने बुलाया और समझाया कि इस तरह के ग्रुप बनाकर झगड़ों में शामिल होना गलत है।

सरकारी योजनाओं ने बदली शशि केशरवानी की तकदीर, बिहान योजना के स्वयं सहायता समूह से मिला सहारा, महतारी वंदन योजना से बढ़ा आत्मविश्वास

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के ग्राम चनवारीडांड की निवासी शशि केशरवानी आज उन महिलाओं में शामिल हैं जिन्होंने सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर अपने जीवन को नई दिशा दी है कभी छोटे स्तर पर व्यवसाय करने वाली शशि आज आत्मनिर्भरता की राह पर मजबूती से आगे बढ़ रही हैं और अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन रही हैं शशि केशरवानी बिहान योजना के अंतर्गत संचालित स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हुई हैं प्रारंभिक दिनों में उनका व्यवसाय बहुत छोटे स्तर पर चलता था जिससे परिवार की जरूरतों को पूरा करना भी मुश्किल हो जाता था व्यवसाय को आगे बढ़ाने की इच्छा तो थी, लेकिन आर्थिक संसाधनों की कमी एक बड़ी बाधा बनी हुई थी समूह से मिला आर्थिक सहयोग बढ़ा व्यवसाय स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद शशि केसरवानी को अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने का अवसर मिला उन्होंने समूह से समय-समय पर ऋण लेकर अपने छोटे व्यवसाय को विस्तार देना शुरू किया शुरुआत में लिया गया छोटा लोन उनके लिए एक नई शुरुआत साबित हुआ धीरे-धीरे उन्होंने अपने व्यवसाय को बढ़ाते हुए कई बार समूह से ऋण लिया। अब तक वे लगभग 1 लाख 50 हजार रुपये तक का ऋण प्राप्त कर चुकी हैं इस राशि का उपयोग उन्होंने अपने व्यवसाय को मजबूत करने सामग्री खरीदने और काम का दायरा बढ़ाने में किया निरंतर मेहनत और सही दिशा में निवेश के कारण उनका व्यवसाय धीरे-धीरे स्थिर और मजबूत होता गया शशि केसरवानी को महतारी वंदन योजना के तहत प्रति माह मिलने वाली आर्थिक सहायता भी काफी सहायक सिद्ध हो रही है इस योजना से मिलने वाली राशि का उपयोग वे अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने के साथ-साथ घर की छोटी-मोटी जरूरतों को पूरा करने में करती हैं इस अतिरिक्त सहयोग से उनके भीतर आत्मविश्वास बढ़ा और आर्थिक रूप से भी उन्हें मजबूती मिली आज उनका व्यवसाय पहले की तुलना में अधिक व्यवस्थित और बेहतर स्थिति में पहुंच चुका है। लगातार मेहनत, समूह का सहयोग और सरकारी योजनाओं के लाभ से आज शशि केसरवानी की मासिक आय लगभग 7 से 8 हजार रुपये तक पहुंच गई है अपने व्यवसाय के माध्यम से वे न केवल परिवार की आर्थिक स्थिति को बेहतर बना रही हैं बल्कि आत्मनिर्भरता की मिसाल भी पेश कर रही हैं शशि केशरवानी का कहना है कि यदि उन्हें स्वयं सहायता समूह और सरकारी योजनाओं का सहयोग नहीं मिलता तो शायद वे अपने व्यवसाय को इस स्तर तक नहीं पहुंच पातीं। इन योजनाओं ने उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दिया और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया।

दिन का पारा 38 डिग्री के करीब अचानक तापमान बढ़ने से गेहूं की फसल को नुकसान की आशंका

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले में 4 मार्च के बाद से गर्मी का असर तेज हो गया है दिन का तापमान 37 से 38 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया जा रहा है जिसके कारण दोपहर के समय सड़कों पर आवाजाही कम नजर आ रही है मौसम विभाग के अनुसार अगले चार दिनों में तापमान में 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी होने का अनुमान है अचानक बढ़ रही इस गर्मी से गेहूं की फसल के 10 से 12 दिन पहले पकने और किसानों को नुकसान होने की आशंका है। तेज धूप खिली रही दिन के साथ-साथ रात के तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है रात का न्यूनतम तापमान 19.8 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं प्रदेश के एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी में भी गर्मी का असर दिखाई दे रहा है पचमढ़ी में दोपहर का तापमान 31 डिग्री के पार पहुंच गया है जबकि रात का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस के ऊपर दर्ज किया जा रहा है मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार जिले के मौसम में अगले चार दिनों तक कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है लेकिन अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री तक की वृद्धि हो सकती है ऐसे में मार्च के पहले पखवाड़े में ही पारा 39 से 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है मार्च महीने में अचानक बढ़ रहे तापमान का सीधा असर कृषि पर पड़ने की आशंका है कृषि उपसंचालक डॉ. रविकांत सिंह ने बताया कि वर्तमान में गेहूं की बालियों में दाना भर चुका है और यह इसके पोषित होने का समय है यदि गर्मी इसी तरह अधिक रही तो पौधे की नमी खत्म हो जाएगी और वह सूखने लगेगा इससे दाना पर्याप्त मात्रा में पोषित नहीं हो पाएगा जिले में आमतौर पर मार्च के अंत तक गेहूं की कटाई शुरू होती है लेकिन तापमान ऐसा ही बना रहा तो फसल के 10-12 दिन पहले ही पकने की संभावना है।

रंजिश में किसान की धनिया फसल नदी में फेंकी ढाई बीघा खेत की मेहनत बर्बाद

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। मायापुर थाना क्षेत्र के गुरुकुदवाया गांव में रंजिश के चलते एक किसान की कटी हुई धनिया की फसल नदी में फेंकने का मामला सामने आया है किसान सोनू पाल ने अपने पड़ोसी जगदीश धाकड़ पर फसल नष्ट करने का आरोप लगाते हुए मायापुर थाने में मंगलवार को शिकायत दर्ज कराई है पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है गुरुकुदवाया गांव निवासी किसान सोनू पाल ने बताया कि उन्होंने कुछ समय पहले करीब ढाई बीघा जमीन खेती के लिए खरीदी थी गांव का ही किसान जगदीश धाकड़ उस जमीन को कम दाम में खरीदना चाहता था सोनू पाल द्वारा जमीन खरीद लिए जाने के कारण दोनों के बीच रंजिश चल रही थी सोनू पाल के अनुसार, उन्होंने अपनी ढाई बीघा जमीन में धनिया की फसल बोई थी। फसल पकने के बाद उसे काटकर खेत में सूखने के लिए छोड़ दिया गया था शाम तक फसल खेत में ही पड़ी थी मंगलवार सुबह जब वह खेत पर पहुंचे तो करीब दो बीघा में रखी कटी हुई धनिया की फसल गायब मिली तलाश करने पर यह फसल पास बह रही नदी में पड़ी मिली किसान सोनू पाल का आरोप है कि सोमवार शाम उन्होंने जगदीश धाकड़ को कुछ अन्य लोगों के साथ अपने खेत के आस पास घूमते देखा था उनका आरोप है कि रात के समय रंजिश के चलते उनकी कटी हुई धनिया की फसल नदी में फेंक दी गई।

एसटीआर से बाहर निकले कॉलर आईडी लगे 2 बाघ टेरिटोरियल के जंगल में घूम रहे बाघ टीम कर रही निगरानी

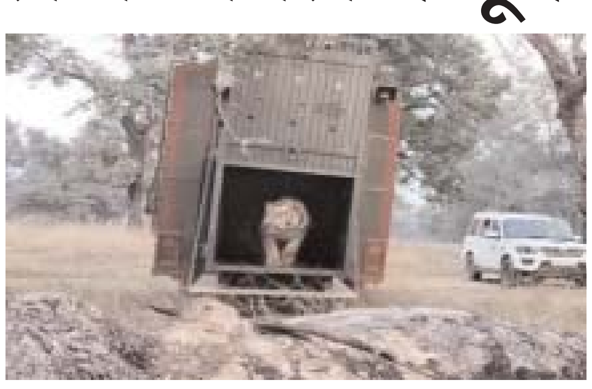

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) के कोर क्षेत्र से कॉलर आईडी लगा दूसरा बाघ भी बाहर निकल आया है यह बाघ नर्मदापुरम के टेरिटोरियल के जंगल में विचरण कर रहा है दोनों बाघों के कोर क्षेत्र से बाहर निकल आने के बाद वन विभाग भी अलर्ट है कालर आईडी से मिली लोकेशन के आधार पर एसटीआर और टेरिटोरियल की टीम निगरानी और देखेख कर रही है एसटीआर फील्ड डायरेक्टर राखी नंदा का कहना कॉलर आईडी लगे दोनों बाघ घूमते हुए एसटीआर से बाहर निकल गए उनकी देखरेख कर रहे है ग्रामीणों से अपील है कि अगर बाघ का मूवमेंट दिखे तो घबराएं नहीं फॉरेस्ट टीम को सूचना दें। जंगल से बाहर निकले बाघ को पिछले महीने 2 जनवरी को मालनी बाड़े से चूरना के जंगल में छोड़ा गया था। एसटीआर प्रबंधन ने दो बाघों को कोर जंगल में छोड़ा ताकि वे अपना खुद का इलाका (टेरिटरी) बना सकें जंगल में छोड़ने से पहले दोनों बाघों को कॉलर आईडी लगाई गई है जिससे उनकी मूवमेंट की मॉनिटरिंग की जा रही है 17 फरवरी को एक बाघ एसटीआर से निकलकर टेरिटोरियल के इटारसी रेंज के जंगल में जा पहुंचा दूसरा बाघ भी दो दिन से एसटीआर से बाहर निकला हुआ है जो तवा डैम के पास घूम रहा है मां से बिछड़े थे, इसलिए बाड़े में शिकार करना सिखाया, फिर छोड़ा पिछले साल मार्च 2025 में रायसेन की भोजपुर रेंज में 2 बाघ मादा बाघिन से बिछड़े थे, तब दोनों बाघों की उम्र 14-15 महीने थी तब मां बाघिन से दोनों बिछड़ गए थे। जिससे जंगल में सर्वाइव करने के लिए जो चीजें उन्हें मां से सीखनी चाहिए थीं वे बिछड़ने के कारण सीख नहीं पाए थे इसलिए उन्हें रेस्क्यू कर चूरना के मालनी स्थित बाड़े में रखा गया।

पटाखे फोड़ने वाली बुलेट पर पुलिस की कार्रवाई साइलेंसर जब्त कर युवक को दी चेतावनी

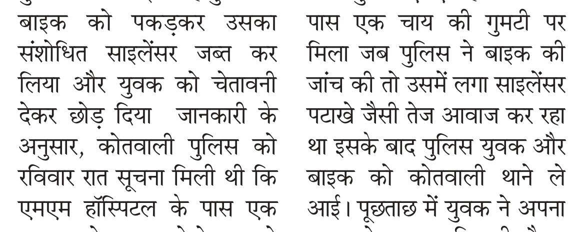

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर में तेज आवाज के पटाखे छोड़ने वाली बुलेट बाइक के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई की है पुलिस ने बाइक को पकड़कर उसका संशोधित साइलेंसर जब्त कर लिया और युवक को चेतावनी देकर छोड़ दिया जानकारी के अनुसार, कोतवाली पुलिस को रविवार रात सूचना मिली थी कि एमएम हॉस्पिटल के पास एक युवक बुलेट बाइक से तेज पटाखे जैसी आवाज निकालते हुए सड़क पर घूम रहा है, जिससे आसपास के लोगों को परेशानी हो रही थी सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस को उक्त युवक एमएम हॉस्पिटल के पास एक चाय की गुमटी पर मिला जब पुलिस ने बाइक की जांच की तो उसमें लगा साइलेंसर पटाखे जैसी तेज आवाज कर रहा था इसके बाद पुलिस युवक और बाइक को कोतवाली थाने ले आई। पूछताछ में युवक ने अपना नाम सुरेन्द्र पाल निवासी बैराड़ थाना क्षेत्र बताया।

कूलर में करंट उतरा, 5वीं की छात्रा की मौत

3 साल के मासूम ने इशारे में कहा-दीदी उधर गिरी है; पिता बोलें- पढ़ाई में होनहार थी

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। कूलर में करंट उतरने से 5वीं क्लास की एक छात्रा की मौत हो गई हैं। हादसा उस वक्त हुआ जब घर में सिर्फ 3 साल का मासूम भाई मौजूद था। मजदूर माता-पिता खेत में गेहूं काटने के लिए गए हुए थे। परिवार के लोग घर पहुंचे, तब तक छात्रा की मौत हो चुकी थी। भाई ने बताया कि दीदी चिल्ला कर गिर गई। मामला खंडवा जिला मुख्यालय से 90 किलोमीटर दूर ग्राम पिपलानी का हैं। घटना सोमवार सुबह की बताई जा रही है। परिजन दोपहर 12 बजे सिविल अस्पताल पुनासा लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने करंट लगने से छात्रा की मौत होने की पुष्टि की है। थाना नर्मदानगर पुलिस ने गायत्री (12) पिता प्रकाश भीलाला के शव का पोस्टमार्टम कराया हैं। सोमवार रात थाना नर्मदानगर टीआई विकास खिंची ने बताया कि मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया गया है। आगे की कार्रवाई पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद होगी।

पढ़ाई में होनहार थी बेटी, हॉस्टल एडमिशन की तैयारी थी : गायत्री के पिता प्रकाश ने बताया कि, गांव के सरकारी स्कूल में ही बेटी पांचवी क्लास में पढ़ रही थी। वह पढ़ाई में काफी होशियार थी। प्राइमरी एजुकेशन के बाद अब आगे की पढ़ाई के लिए उसे छनेरा स्थित आवासीय विद्यालय भेजने की तैयारी थी। दो दिन पहले ही मैंने स्कूल के हेडमास्टर से चर्चा की थी। उन्होंने कहा कि पिछले हफ्ते ही उसके एग्जाम हुए है। अगले महीने रिजल्ट आ जाएगा। स्कूल से अंकसूची मिलेगी, उसी के आधार पर हॉस्टल में एडमिशन होगा।

3 साल से घर की रसोई, देखरेख उसी के जिम्मे थी : पिता प्रकाश बताते है कि, गायत्री की मौत से मैं पूरा टूट चुका हूं। उसकी मां मंजू तो सदमें में है। गायत्री इतनी होनहार थी कि पिछले 3 साल से घर की रसोई उसी के जिम्में थी। हम लोग तो सुबह से मजदूरी के लिए निकल जाते और शाम को घर लौटते। तब वह खाना तैयार रखती थी। मां के पीरियड्स टाइम तो दोनों वक्त का खाना पकाती थी। इसके अलावा हाट जाकर सब्जीयां लाना और 3 साल के छोटे भाई की परवरिश करना उसी के जिम्में था। वह पढ़ाई के साथ घर का सारा कामकाज संभाल लेती थी। पूरे गांव में उसके जैसी बेटी नहीं थी।

धूमधाम से मनाने वाले थे बेटी का बर्थडे : अगले महीने यानी 8 अप्रैल को गायत्री का जन्मदिन आने वाला था। वह 13 साल की उम्र पूरी करने वाली थी। इस बार उसका जन्मदिन परिवार के साथ धूमधाम से मनाने वाले थे। क्योंकि नए सत्र से पढ़ाई के लिए हॉस्टल में दाखिला करवा रहे थे।

बच्चों के मनोरंजन के लिए दो साल पहले खरीदा था टीवी : प्रकाश कहना है कि, परिवार में हम पति-पत्नी, बेटी गायत्री और बेटा जिगर (3) के होने से सारे संसार की खुशियां हमारे परिवार के पास थी। ईश्वर से यहीं दुआ करते थे कि बेटा-बेटी को पढ़ाई में होशियार बनाए और इन्हें स्वस्थ जीवन दें। ठीक चल रहा था। बच्चों के मनोरंजन के लिए दो साल पहले ही हमने टीवी खरीदा था। जहां टीवी लगा है, उसी के बाजू से कूलर रखा हुआ था। दोनों का इलेक्ट्रीक स्विच एक ही है। शायद बेटी टीवी चालू करने गई होगी और उसे कूलर में उतरे करंट ने झटका मारा हैं।

मासूम बेटे ने इशारे में बताया-दीदी गिर गई : प्रकाश ने कहा कि, पत्नी मंजू के साथ सोमवार को सुबह 9 बजे खेत के लिए निकल गया था। गेहूं कटाई के बाद मैं खाना लेने के लिए दोपहर साढ़े 11 बजे घर पहुंचा।

घर का दरवाजा खटखटाया तो बेटे जिगर ने खोला। मैंने उससे कहा कि तेरी दीदी (गायत्री) कहां है, उसने टीवी की तरफ इशारा किया और कहा कि दीदी वहां गिर गई है, कुछ बोल भी नहीं रही। मैं वहां पहुंचा तो बेटी बेसुध थी। पड़ोस के लड़के को आवाज देकर बुलाया और फिर डॉक्टर के पास ले गए। जहां उसे मृत घोषित कर दिया।

रायसेन नेशनल हाईवे 45 पर हादसा, एक की मौत टक्कर के बाद ट्रक पलटा

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले के उदयपुरा थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-45 पर सोमवार रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। एसबीआई ब्रिज के पास तेज रफ्तार ट्रक और बोलेरो गाड़ी की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बोलेरो चालक की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

टक्कर के बाद बोलेरो के परखच्चे उड़े : प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क के बीचों-बीच पलट गया। वहीं बोलेरो गाड़ी का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। बताया जा रहा है कि बोलेरो सवार सड़क पार कर रहे थे, तभी जबलपुर की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी।

गाड़ी में फंसे लोगों को स्थानीय लोगों ने निकाला : हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने गाड़ी में फंसे घायलों को बाहर निकाला और तुरंत उदयपुरा सिविल अस्पताल पहुंचाया। उदयपुरा के बीएमओ डॉ. महेंद्र धाकड़ ने बताया कि घायलों को अस्पताल लाया गया था। अस्पताल में इलाज के दौरान बोलेरो चालक की मौत हो गई, जबकि दो घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें आगे रेफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार ट्रक राजस्थान से मटर भरकर भोपाल जा रहा था। वहीं बोलेरो में सवार लोग ऊढ़नी पिपरिया के रहने वाले बताए जा रहे हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सागर में कार से शराब तस्करी कर रहा आरोपी गिरफ्तार पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ी गाड़ी

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर की गौरझामर पुलिस ने शराब से भरी कार पकड़ी है। कार में सवार एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई में कार से 12 पेटी शराब जब्त की है। थाने लाकर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच में लिया है। पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि गौरझामर के सरखेड़ा रोड पर स्थित एमपी नगर कॉलोनी के कार में अवैध रूप से बड़ी मात्रा में शराब का परिवहन किया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम गठित कर कार्रवाई के लिए रवाना की गई। टीम मौके पर पहुंची। जहां मुखबिर के बतायानुसार कार क्रमांक एमपी 04 वायएल 9463 नजर आई। जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। कार में सवार युवक को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम सुनील पिता बद्री प्रसाद लोधी उम्र 32 वर्ष निवासी बीजासेन मोहल्ला गौरझामर का होना बताया। कार की तलाशी ली तो उसमें से 12 पेटी लाल देशी मसाला शराब बरामद हुई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शराब और कार को जब्त किया। आरोपी को गिरफ्तार कर थाने लाई। जहां शराब के संबंध में पूछताछ की गई। शराब परिवहन की अनुमति संबंधी दस्तावेज मांगे गए लेकिन आरोपी नहीं दिखा पाया। गौरझामर थाना प्रभारी नासिर फारूकी ने बताया कि कार में अवैध रूप से शराब का परिवहन करते हुए एक आरोपी को पकड़ा है। उसके कब्जे से शराब जब्त की गई है। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में लिया है। शराब के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

मंदसौर में युवक पर तलवार से हमला सिर पर गंभीर चोट, आरोपी ने रास्ते में रोककर की मारपीट

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर शहर के पास मुल्तानपुरा क्षेत्र में आपसी विवाद के चलते एक युवक पर तलवार से हमला कर दिया गया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार सोमवार देर रात मुल्तानपुरा निवासी हुसैन पिता नना इंडस्ट्रीज एरिया स्थित सिलेक्ट पेंसिल कारखाने में काम करने के बाद घर लौट रहे थे। रास्ते में सोहेल टांडिया ने उन्हें रोक लिया और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी।

तलवार से हमला करने का आरोप : हुसैन अपनी जान बचाने के लिए वापस कारखाने के अंदर भाग गए। आरोप है कि सोहेल भी उनके पीछे अंदर पहुंच गया और फिर से मारपीट करने लगा। हुसैन का कहना है कि सोहेल के पास तलवार थी, जिससे उसने उनके सिर पर वार किया और उन्हें गंभीर चोट लग गई। घटना के समय सोहेल के साथ गोलू पिता बनजा मुवासा भी मौजूद था।

छतरपुर में बालू उत्खनन और जमीन विवाद खूनी संघर्ष लाठी-डंडे और कुल्हाड़ी चले

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के ईशानगर थाना क्षेत्र के बिहटा पंचायत के हरपुरा गांव में सोमवार को जमीन और अवैध बालू उत्खनन को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर विवाद हो गया। देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और लाठी-डंडों व कुल्हाड़ी से एक-दूसरे पर हमला कर दिया। इस हिंसक झड़प में महिला, पुरुष और बुजुर्ग सहित एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। कुछ घायलों को स्थानीय अस्पताल में प्राथमिक इलाज दिया गया, जबकि गंभीर रूप से घायल लोगों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस ने गांव में स्थिति को देखते हुए निगरानी बढ़ा दी है। जानकारी के मुताबिक हरपुरा गांव में लंबे समय से अवैध बालू उत्खनन और जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। सोमवार देर रात इसी बात को लेकर दो यादव पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। कुछ ही देर में विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के लोग एकजुट होकर लाठी-डंडे और कुल्हाड़ी जैसे धारदार हथियार लेकर एक-दूसरे पर टूट पड़े।

बीच-बचाव करने पहुंचे लोगों पर भी हमला : इस दौरान परिवार के अन्य सदस्य बीच-बचाव करने पहुंचे, लेकिन वे भी हमले की चपेट में आ गए और कई लोग लहूलुहान हो गए। घटना के बाद दोनों पक्षों में तनाव बना हुआ है और एक-दूसरे को जान से मारने की धमकी देने की बात भी सामने आई है। ईशानगर थाना पुलिस के अनुसार दोनों पक्षों की शिकायत के आधार पर 12-12 लोगों सहित कुल 24 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (ब्हृस) की धारा 191(2), 191(3), 190, 296(बी), 118(1) और 351(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि डॉक्टर की रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सागर में घर की बाथरूम में घुसा मगरमच्छ 7 फीट लंबा था

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के महाराजपुर में एक मकान की बाथरूम में मगरमच्छ घुस गया। परिवार के लोगों ने मगरमच्छ देखा तो हड़कंप मच गया। चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के लोग जमा हो गए। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू कर मगरमच्छ को पकड़ा गया। जानकारी के अनुसार, महाराजपुर निवासी अजय रैकवार के घर के पीछे बनी बाथरूम में 7 फीट लंबा मगरमच्छ घुस गया। सोमवार देर रात परिवार के सदस्य बाथरूम करने पहुंचे तो मगरमच्छ देखा। उसे देखते ही वह घबराकर भागे। चिल्लाने की आवाज सुनकर आस-पड़ोस के लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। तत्काल मामले की सूचना वन विभाग को दी गई।

सीहोर में दिनदहाड़े सोने की चेन लूटीदो बाइक सवार बदमाशों ने रास्ते में रोककर बनाया निशाना

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के इछावर क्षेत्र में दिनदहाड़े एक युवक से मारपीट कर सोने की चेन लूट ली गई। दो अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने इस वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित युवक ने इछावर थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

ढाबला सेमली सड़क पर हुई वारदात : यह घटना इछावर थाना क्षेत्र के ढाबला सेमली गांव की सड़क पर हुई। जानकारी के अनुसार कृषि दवाई कंपनी में काम करने वाला आयुष नाम का युवक सीहोर से इछावर होते हुए सेमली गांव जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में दो अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने उसे रोक लिया।

मारपीट कर छीनी सोने की चेन : बताया जा रहा है कि बदमाशों ने युवक के साथ मारपीट की और उसके गले से सोने की चेन छीन ली। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना के बाद युवक ने किसी तरह खुद को संभाला और पुलिस को जानकारी दी। पीड़ित युवक आयुष ने इछावर थाने पहुंचकर पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस ने शुरू की आरोपियों की तलाश : मामले में बताया गया है कि इस घटना के संबंध में इछावर थाना पुलिस ने कल शाम एसआईआर दर्ज की है। इछावर थाना प्रभारी पंकज वाडेकर ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश के लिए टीम को रवाना कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जल्द ही बदमाशों को पकड़ लिया जाएगा।

दमोह पुलिस ने कार से 10 पेटी अवैध शराब पकड़ीदो आरोपी गिरफ्तार

आबकारी एक्ट में केसइनमें से एक खंडवा का रहने वाला

मीडिया ऑडीटर, दमोह (निप्र)। दमोह की हिंडोरिया थाना पुलिस ने एक बलेनो कार से 10 पेटी अवैध शराब जब्त की है। इस कार्रवाई में दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है। मंगलवार दोपहर हिंडोरिया थाना प्रभारी धर्मेंद्र उपाध्याय ने मामले की जानकारी दी। यह कार्रवाई सोमवार रात को की गई। मुखबिर से सूचना मिली थी कि बिल्थरा शराब दुकान से एक सफेद रंग की कार में अवैध शराब लोड की जा रही है। सूचना मिलने के बाद हिंडोरिया पुलिस मौके पर पहुंची। बिल्थरा शराब दुकान के सामने एक सफेद बलेनो कार (MP 20 ZB 2224) में दो व्यक्ति शराब के कार्टून पीछे की डिग्गी में रख रहे थे। पुलिस को देखकर उन्होंने डिग्गी बंद कर भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया।

शराब और कार जब्त की : कार की डिग्गी की तलाशी लेने पर उसमें 10 पेटी अवैध शराब मिली। आरोपियों के पास शराब रखने या उसके परिवहन संबंधी कोई वैध दस्तावेज नहीं थे। इसके बाद पुलिस ने 10 पेटी अवैध शराब और बलेनो कार को जब्त कर लिया, जिनकी कुल अनुमानित कीमत 4,52,000 रुपए है। अमजद खान (निवासी जटाशंकर कॉलोनी, दमोह) और प्रकाश राठौर पिता गोविंद राठौर (निवासी खंडवा, वर्तमान में शराब दुकान बिल्थरा) के रूप में हुई है।

नर्मदापुरम एसटीआर से बाहर निकले कॉलर आईडी लगे 2 बाघ

टेरिटोरियल के जंगल में घूम रहे, टीम कर रही निगरानी

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) के कोर क्षेत्र से कॉलर आईडी लगा दूसरा बाघ भी बाहर निकल आया है। यह बाघ नर्मदापुरम के टेरिटोरियल के जंगल में विचरण कर रहा है। दोनों बाघों के कोर क्षेत्र से बाहर निकल आने के बाद वन विभाग भी अलर्ट है। कालर आईडी से मिली लोकेशन के आधार पर एसटीआर और टेरिटोरियल की टीम निगरानी और देखेख कर रही है। एसटीआर फील्ड डायरेक्टर राखी नंदा का कहना कॉलर आईडी लगे दोनों बाघ घूमते हुए एसटीआर से बाहर निकल गए। उनकी देखरेख कर रहे है। ग्रामीणों से अपील है कि अगर बाघ का मूवमेंट दिखे तो घबराएं नहीं। फॉरेस्ट टीम को सूचना दें। टीम बाघ की लोकेशन पर नजर बनाएं रखी है।

2 जनवरी को छोड़ा गया था : जंगल से बाहर निकले बाघ को पिछले महीने 2 जनवरी को मालनी बाड़े से चूरना के जंगल में छोड़ा गया था। एसटीआर प्रबंधन ने दो बाघों को कोर जंगल में छोड़ा, ताकि वे अपना खुद का इलाका (टेरिटरी) बना सकें। जंगल में छोड़ने से पहले दोनों बाघों को कॉलर आईडी लगाई गई है, जिससे उनकी मूवमेंट की मॉनिटरिंग की जा रही है। 17 फरवरी को एक बाघ एसटीआर से निकलकर टेरिटोरियल के इटारसी रेंज के जंगल में जा पहुंचा। दूसरा बाघ भी दो दिन से एसटीआर से बाहर निकला हुआ है। जो तवा डैम के पास घूम रहा है।उनकी देखरेख कर रहे है। ग्रामीणों से अपील है कि अगर बाघ का मूवमेंट दिखे तो घबराएं नहीं। फॉरेस्ट टीम को सूचना दें। टीम बाघ की लोकेशन पर नजर बनाएं रखी है।

मां से बिछड़े थे, इसलिए बाड़े में शिकार करना सिखाया, फिर छोड़ा : पिछले साल मार्च 2025 में रायसेन की भोजपुर रेंज में 2 बाघ मादा बाघिन से बिछड़े थे, तब दोनों बाघों की उम्र 14-15 महीने थी। तब मां बाघिन से दोनों बिछड़ गए थे। जिससे जंगल में सर्वाइव करने के लिए जो चीजें उन्हें मां से सीखनी चाहिए थीं, वे बिछड़ने के कारण सीख नहीं पाए थे इसलिए उन्हें रेस्क्यू कर चूरना के मालनी स्थित बाड़े में रखा गया। यहां पिछले 8 महीनों तक एसटीआर प्रबंधन की देखरेख में उन्हें शिकार की बारीकियां सिखाई गई। फिर 2 जनवरी 2026 को दोनों को कोर क्षेत्र में खुले जंगल में छोड़ा गया। दोनों के गले में कॉलर आईडी डाली गई।

पन्ना में मैहर जा रहे श्रद्धालुओं की बोलेरो पलटी

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। मंगलवार, 10 मार्च को पन्ना जिले के शाहनगर थाना क्षेत्र में एक सड़क दुर्घटना में मैहर जा रहे श्रद्धालुओं से भरी एक बोलेरो पलट गई। इस हादसे में वाहन चालक और एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि अन्य यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, तिदुनी गांव से सात श्रद्धालु बोलेरो (क्रमांक MP 65 C 1457) में सवार होकर मैहर दर्शन के लिए जा रहे थे। कचौरी के समीप रामराजा कंपनी के पास स्थित एक मोड़ पर वाहन अनियंत्रित हो गया और सड़क पर पलट गया। बताया जा रहा है कि यह घटना तेज रफ्तार या किसी तकनीकी खराबी के कारण हुई। घटना की सूचना मिलते ही शाहनगर थाना की डायल 112 टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने स्थानीय ग्रामीणों की सहायता से घायलों को क्षतिग्रस्त वाहन से बाहर निकाला। घायल चालक और महिला को एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहनगर में भर्ती कराया गया है। वाहन में सवार अन्य पांच यात्री सुरक्षित रहे। दुर्घटना के बाद मौके पर काफी भीड़ जमा हो गई थी।

ईरान-इजरायल युद्ध के कारण

वनडे और टी20 सीरीज रद्द

ईरान और इजरायल के बीच जारी युद्ध के कारण मिडिल ईस्ट में लगातार तनाव जारी है। इस युद्ध के कारण विमान सेवाएं भी बाधित हैं। इसका असर अब क्रिकेट पर भी साफतौर पर दिख रहा है। इसी कारण एक आगामी वनडे और टी20 सीरीज भी अब रद्द हो गई है। वहीं संभवतः आईपीएल 2026 के शेड्यूल में भी देरी का यही कारण हो सकता है।

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान और इजरायल के बीच जारी युद्ध के कारण कई जगहों का एयर स्पेस बंद है। इसी कारण लोगों को फ्लाइट्स से आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बीच भी यही समस्या सामने आई थी। वेस्टइंडीज, साउथ अफ्रीका की टीमें अभी भी भारत में ही फंसी हैं। जैसे-तैसे चार्टर्ड विमानों से टीमों को भेजना का प्रबंध किया जा रहा है। इसी बीच अब एक टी20 और वनडे सीरीज भी रद्द हो गई है।

श्रीलंका-अफगानिस्तान सीरीज रद्द

श्रीलंका क्रिकेट की तरफ से एक अधिकारी ने सोमवार को जानकारी दी कि उनकी पुरुष नेशनल टीम अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी वनडे और टी20 सीरीज नहीं खेल पाएगी। यह सीरीज इस हफ्ते से यूएई में शुरू होनी थी, लेकिन ईरान-इजरायल के बीच तनाव के कारण दुबई और संयुक्त अरब अमीरात के कई क्षेत्रों में रेड अलर्ट है। दुबई एयरपोर्ट भी बंद करने की खबरें सामने आई थीं। एएफपी को श्रीलंका क्रिकेट के अधिकारी ने बताया, 'हमें मौजूदा युद्ध के कारण फ्लाइट्स की हालिया स्थिति को देखते हुए इसे (सीरीज को) कैंसिल करना पड़ रहा है।' इस सीरीज के तीन टी20 13, 15 और 17 मार्च को शारजाह में होने थे। वहीं दुबई में 20, 22 और 25 मार्च को तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जानी थी। इस सीरीज की मेजबान अफगानिस्तान टीम थी।

आईपीएल के शेड्यूल में भी हो रही देरी

वहीं आईपीएल 2026 का शेड्यूल भी अभी तक नहीं आया है क्या इसमें भी देरी का यही कारण हो सकता है? आईपीएल में भी वेस्टइंडीज, साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड समेत कई देशों के विदेशी खिलाड़ी खेलते हैं। ऐसे में विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता पर संदेह बना हुआ हो सकता है। यही कारण भी शायद है कि अभी तक टूर्नामेंट का शेड्यूल नहीं जारी हुआ है। क्योंकि अभी तक वर्ल्ड कप के बाद ही कई प्रमुख टीमों के विदेशी खिलाड़ी अपने देश नहीं लौट पाए हैं। उसमें एडेन मार्कराम, क्विंटन डी कॉक, शिमरोन हेटमायर, लुंगी एनगिडी, रयान रिकल्टन, कगिसो रबाडा, शेरफेन रदरफोर्ड, जेसन होल्डर जैसे तमाम नामी खिलाड़ी हैं जो आईपीएल टीमों का हिस्सा हैं। 28 मार्च से आईपीएल 2026 की शुरुआत होनी है।

टीम इंडिया को बनाया था वर्ल्ड चैंपियन

अब श्रीलंका की टीम ने दिग्गज को बनाया अपना हेड कोच

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम को अपने कार्यकाल में वर्ल्ड चैंपियन बनाने वाले दिग्गज गैरी कर्स्टन को श्रीलंका ने अपना नया हेड कोच नियुक्त किया है। श्रीलंका क्रिकेट द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक कर्स्टन अब 15 अप्रैल 2026 से बतौर हेड कोच श्रीलंकाई टीम में अपना पद संभालेंगे। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में खराब प्रदर्शन के बाद लगातार सनथ जयसूर्या पर तलवार लटक रही थी और अब आधिकारिक रूप से साउथ अफ्रीका के दिग्गज ने यह जिम्मेदारी संभाल ली है। गैरी कर्स्टन की कोचिंग में ही एमएस धोनी की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने 2011 वर्ल्ड कप जीता था। अब श्रीलंका ने दिग्गज को दो साल के अनुबंध के साथ टीम का हेड कोच बनाया है। जयसूर्या ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सुपर 8 से टीम के बाहर होने के बाद पद छोड़ने की जानकारी दी थी। वहीं वर्ल्ड कप में कर्स्टन नामीबिया की टीम के साथ बतौर कंसल्टेंट जुड़े हुए थे।

गैरी कर्स्टन का कैसा है कोचिंग अनुभव

गैरी कर्स्टन का बतौर होड कोच भारत के साथ जहां स्वर्णिम दौर था। वहीं इसके बाद 2024 में वह पाकिस्तान क्रिकेट टीम के व्हाइट बॉल कोच थे। वहां उनके और खिलाड़ियों व बोर्ड के बीच विवाद की खबरें आईं थीं। आईपीएल में भी गैरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ बतौर बैटिंग कोच रहे चुके हैं। साल 2022 में गुजरात टाइटंस के भी वह बल्लेबाजी कोच थे और टीम ने पहले सीजन में ही अपना पहला खिताब भी जीता था। गैरी कर्स्टन अपने समय के एक बेहतरीन बल्लेबाज रहे हैं। उन्होंने साउथ अफ्रीका के लिए 101 टेस्ट और 185 वनडे मुकाबले खेले हैं। उनके नाम 7289 टेस्ट रन और 6798 एकदिवसीय रन दर्ज हैं। अब वह अगले दो साल तक श्रीलंका के लिए बतौर हेड कोच अपना कार्य करेंगे। इस दौरान वनडे वर्ल्ड कप 2027 जैसा बड़ा टूर्नामेंट भी खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में होगा। अब देखना होगा कि श्रीलंकाई टीम कर्स्टन के अनुभव का कितना इस्तेमाल कर पाती है।

'अभिषेक जैसे 2-3 बैटर पाकिस्तान में भी होते'

मोहम्मद आमिर पर भड़क गया पूर्व खिलाड़ी; कहा- अपने गिरेबान में झांको

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने टी20 वर्ल्ड कप के दौरान अभिषेक शर्मा को टारगेट करने के लिए मोहम्मद आमिर पर

जमकर निशाना साधा। आमिर ने विवाद खड़ा करते हुए अभिषेक शर्मा को स्लॉगर कहा था। उन्होंने अभिषेक की टेक्निक पर सवाल उठाया था और कहा था कि उनमें डिफेंसिव स्किल्स नहीं हैं साथ ही कहा कि उन्हें सफलताओं से ज्यादा असफलताएं मिलेंगी।

काश पाकिस्तान की टीम में 2-3 अभिषेक जैसे खिलाड़ी होते

भारत को टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में जीत मिली और इसके बाद बासित अली ने मोहम्मद आमिर पर निशाना साधा और कहा कि एक खिलाड़ी कुछ इनिंग बिना रन बनाए खेल सकता है, लेकिन उसकी क्लास हमेशा रहती है। अली ने कहा कि काश पाकिस्तान में अभिषेक शर्मा जैसे दो या तीन खिलाड़ी होते। अली ने ऋ्ङ्क के टीवी शो में कहा कि भले ही अभिषेक शर्मा ने तीन बार डक किया हो पर फॉर्म टेम्परेरी होता है और क्लास परमानेंट है। जब लोग इतने क्लासी प्लेयर को नाम देना शुरू करते हैं तो सच में मुझे निराशा होती है। जिस तरह के नाम उछाले जा रहे हैं... काश हमारे देश में यानी पाकिस्तान में भी उनके जैसे दो या तीन प्लेयर होते। उन्होंने आगे कहा कि भारत अब अगले टूर्नामेंट की तैयारी करेगा, लेकिन पाकिस्तान घरेलू स्तर पर टी20 टूर्नामेंट खेलेगा। आप पहले अपने गिरेबान में झांककर देखें, बस लगे रहते हैं भारत ने ये कर लिया वो कर लिया। आमिर ने इस टूर्नामेंट के दौरान कई विवादित बातें कहीं जिसमें यह भविष्यवाणी भी शामिल थी कि भारत टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में नहीं पहुंचेगा। हालांकि भारतीय टीम ने धीमी शुरुआत के बाद रफ्तार पकड़ी और फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर टूर्नामेंट जीत लिया। भारत ने टी20 वर्ल्ड कप फाइनल जीतकर इतिहास रच दिया और अपना खिताब बचाने वाली दुनिया की पहली टीम बन गई।

40 साल की उम्र में फिर चुनौती देने को तैयार संग्राम सिंह

अब 23 वर्षीय फ्रांसीसी फाइटर से भिड़ेंगे

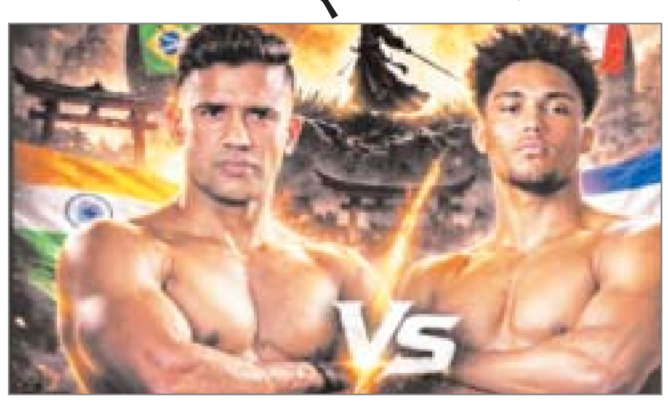

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के 40 वर्षीय एमएमए फाइटल संग्राम सिंह का अगला पड़ाव अर्जेंटीना होगा जहां वो 5 अप्रैल को फ्रांस के युवा फाइटर मौटेऊ मोंटेइरो से भिड़ेंगे। मौटेऊ मोंटेइरो इस वक्त 23 साल के हैं और अपने से 17 साल छोटे इस युवा फाइटर से सामने संग्राम सिंह किस तरह से जीत हासिल करेंगे इसे देखना दिलचस्प होने वाला है। संग्राम सिंह पहली बार अर्जेंटीना में कोई फाइट करेंगे और इसे लेकर वहां काफी उत्साह है।

अर्जेंटीना में पहली बार फाइट करेंगे संग्राम सिंह- अर्जेंटीना के समुराई फाइट हाइस के अध्यक्ष मार्टिन पाकसियाज ने इस फाइट को लेकर उत्साह जाहिर किया और कहा कि अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स के टाइग्रे में रविवार, पांच अप्रैल को ये मुकाबला होगा। संग्राम सिंह इस दिन एमएमए के समुराई फाइट हाउस 28 (स्न्ना॥ 28) के मुख्य मुकाबले में उतरने वाले हैं। किसी भारतीय एमएमए फाइटर का अर्जेंटीना की धरती पर फाइट करने का यह पहला मौका होगा।

फाइनल का अर्जेंटीना में बेताबी से इंतजार

मार्टिन पाकसियाज ने आगे कहा कि अर्जेंटीना के लोग ये जानने के लिए बेताब हैं कि जो पहले मिट्टी और गद्दे पर कुश्ती करते थे उन्होंने किस तरह से एमएमए फाइट में अपनी खास पहचान बनाई और 40 की उम्र में कोई फाइटर कैसे एमएमए में सफलता के झंडे गाड़ सकता है। संग्राम सिंह भारत में इस खेल के ब्रांड एम्बेसडर हैं और उनकी सफलता से भारत में भी इस खेल को अलग पहचान मिली है। अर्जेंटीना में संग्राम सिंह की मौजूदगी मील का पत्थर साबित होने वाली है।

हर फाइट के साथ बेहतर हो रहे हैं संग्राम सिंह- पूर्व प्रोफेशनल रेसलर से मिक्स्ड मार्शल आर्ट के फाइटर बने संग्राम सिंह ने कहा कि जब उन्होंने एमएमए की शुरुआत की तो हर किसी ने इस बात को लेकर हैरानी जताई थी कि रेसलिंग और एमएमए अलग दुनिया हैं, लेकिन उन्हें विश्वास था कि मैट पर सीखा गया अनुशासन, फिटनेस और योद्धा के लिए जरूरी जुझारूपन के जरिए वो एमएमए के मंच पर भी खुद को साबित करने में सफल रहेंगे।

संजू, इशान, सूर्यकुमार नहीं फाइनल में किसके बल्ले से खेले थे अभिषेक शर्मा!

21 गेंदों पर बनाए थे 52 रन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के स्टार ओपनर अभिषेक शर्मा ने आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 में मुश्किल दौर से उबरते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 21 गेंदों में 52 रन बनाए थे। इस मैच में अभिषेक ने संजू के साथ मिलकर भारत को शानादार शुरुआत दिलाई थी और इसके दम पर भारत ने 255 रन का स्कोर खड़ा किया था। अब अभिषेक ने बताया कि उन्होंने इस मैच में अपना नहीं बल्कि इस खिलाड़ी के बल्ले का इस्तेमाल किया था। हालांकि संजू ने इसके लिए संजू सैमसन, इशान किशन और सूर्यकुमार यादव का नाम नहीं लिया।

अभिषेक ने कहा शिवम दुबे से बल्ला लिया उधार

अभिषेक शर्मा ने कहा कि उन्होंने अपने टीम के साथी खिलाड़ी शिवम दुबे का बल्ला उधार लिया था और आमतौर पर वो बल्ला उधार लेने के लिए शुभमन गिल के पास जाते हैं, लेकिन इस बार उनके टीम में नहीं होने की वजह से उन्होंने शिवम दुबे से बल्ला मांगा। अभिषेक ने कहा कि मैंने फाइनल में शिवम दुबे के बैट से बैटिंग की इसलिए दुबे को थैंक यू। फाइनल की सुबह मुझे कुछ अलग करने का मन हुआ तो शुभमन गिल आस-पास नहीं थे इसलिए मैं शिवम दुबे के पास गया और उनका बैट उठाया।

मुश्किल वत में टीम ने दिया साथ

अभिषेक ने ये भी बताया कि मुश्किल वक्त में टीम ने उनका कैसे साथ दिया। लगातार तीन बार डक पर आउट होने से लेकर कम स्कोर और फिर जिम्बाब्वे के खिलाफ एक अर्धशतक तक और फिर खराब दौर। अभिषेक ने कहा कि जब मैं रन नहीं बना रहा था, तो टीम में हर कोई चाहता था कि मैं फिर से रन बनाऊं। इस खराब तौर में आपके आसपास का वातावरण काफी मायने रखता है। जब मैं योगदान नहीं दे पा रहा था तो हर कोई कह रहा था तुम कर लोगे। मैं खुद पर शक से जूझ रहा था, लेकिन खिलाड़ियों, कोच और सपोर्ट स्टाफ को मुझ पर भरोसा था।

अभिषेक ने 8 पारियों में बनाए 141 रन

अभिषेक इस टूर्नामेंट में भारत की तरफ से सातवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। 8 पारियों में उन्होंने 17.62 की औसत से 141 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 158.42 था। साथ ही फाइनल में उन्होंने जैकब डफी का विकेट भी लिया जिससे न्यीलैंड 159 रन पर आउट हो गया। अभिषेक ने फाइनल में 18 गेंदों पर अर्धशतक भी लगाया था जो भारत की तरफ से टी20 वर्ल्ड कप इतिहास का सबसे तेज अर्धशतक रहा। अभिषेक ने टी20 वर्ल्ड कप में दो अर्धशतकीय पारियां खेली।

ये भी है टी20 वर्ल्ड कप 2026 में खिलाड़ियों के परिवार का सच

रिंकू सिंह ने पिता को खोया, इशान किशन की बहन का निधन

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारतीय टीम चैंपियन जरूर बनी है, लेकिन कप्तान सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली इस टीम के लिए सफर आसान नहीं था। इस टीम ने पूरे टूर्नामेंट कई उतार-चढ़ाव झेले। कई खिलाड़ियों के ऊपर मानसिक दबाव था लेकिन फिर भी टीम ने हिमत नहीं हारी। ऐसे ही पांच किस्से इस वर्ल्ड कप से जुड़े आपको बताते हैं:-

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारतीय टीम ने जीत दर्ज जरूर की है लेकिन इस वर्ल्ड कप में टीम का प्रदर्शन काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। टीम के प्रदर्शन के अलावा कई ऐसी परिस्थितियां भी खिलाड़ियों के सामने आई हैं जिसके बाद मानसिक संतुलन बनाए रखना किसी भी खिलाड़ी के लिए मुश्किल हो सकता है। जैसे बीच टूर्नामेंट रिंकू सिंह ने अपने पिता को खोया था। वहीं इशान किशन की चचेरी बहन और उनके जीजा का निधन भी फाइनल से पहले हो गया था। इसके अलावा संजू सैमसन की कहानी, इशान किशन और सूर्यकुमार यादव की फोन कॉल और अभिषेक शर्मा का उतार-चढ़ाव भरा प्रदर्शन, कई ऐसे वाकिये रहे जो इस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सच को बयां करते हैं। आइए एक-एक करके सबके बारे में जानते हैं:-

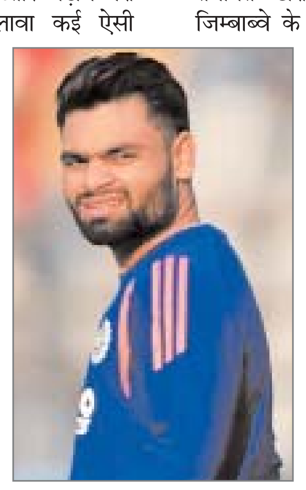

- **रिंकू सिंह के पिता का बीच वर्ल्ड कप निधन-** रिंकू सिंह की कहानी इस वर्ल्ड कप की सबसे चर्चित किस्सों में से एक रही। रिंकू शुरू में लगातार टीम का हिस्सा थे लेकिन साउथ अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद अचानक उनके पिता की तबीयत खराब हुई। वह घर लौटे और फिर जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच से पहले लौट आए। जिम्बाब्वे के खिलाफ रिंकू को टीम में जगह नहीं मिली। फिर उसके बाद उनके पिता के निधन की खबर आई और वह फिर घर लौटे। पढ़ें पूरी खबर रिंकू सिंह ने लेकिन हिम्मत नहीं हारी और फिर वेस्टइंडीज के खिलाफ अहम मैच से पहले टीम में वापस लौटे। हालांकि, प्लेइंग 11 में उन्हें मौका नहीं मिला, लेकिन बतौर सब्सटीट्यूट लगातार वह फील्ड पर हर मुकाबले में नजर आए। उन्होंने अपने पिता को खोने के बाद भी हिम्मत नहीं हारी और टीम के लिए डटे रहे और खड़े रहे। बीच वर्ल्ड कप गौतम गंभीर ने टीम स्पीच में उन्हें सांत्वना भी दी थी।

- **इशान किशन पर टूटा दुखों का पहाड़-** इशान किशन के ऊपर फाइनल मुकाबले से पहले दुखों का पहाड़ टूटा था। उनकी चचेरी बहन और जीजा दोनों ने एक सड़क दुर्घटना में जान गंवा दी थी। इसके बावजूद फाइनल मुकाबले में उनका आत्मविश्वास नहीं हिला। उन्होंने फाइनल मैच में अर्धशतक भी लगाया। जीत के बाद इशान ने यह दर्दनाक वाकिया बयां किया और भारत की इस जीत और ट्रॉफी को अपनी बहन के नाम समर्पित किया। पढ़ें पूरी खबर

- **संजू सैमसन के लिए रामबाण बनी सचिन तेंदुलकर की सलाह-** संजू सैमसन की कहानी भी इस टी20 वर्ल्ड कप के कुछ खास किस्सों में शामिल रही। एक वक्त था संजू टीम से बाहर हो गए थे और उनकी ओपनिंग पोजीशन छिन गई थी। अचानक टीम का प्रदर्शन खराब हुआ और संजू की वापसी हुई। वही संजू जो हिम्मत हार रहे थे, जिनका आत्मविश्वास डगमगा रहा था उनके लिए क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर का गुरुमंत्र काम आ गया। संजू ने ऐसा खेला कि वह प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बन गए। फाइनल के बाद उन्होंने पूरी कहानी बयां की। पढ़ें पूरी खबर
- **टी20 वर्ल्ड कप टीम के चयन से पहले इशान के पास आया सूर्या का कॉल-** इशान किशन 317 रन बनाकर भारत के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने। उनकी दो साल बाद टीम में वापसी हुई। टी20 वर्ल्ड कप से पहले न्यूजीलैंड सीरीज में वह दो साल तक टीम से बाहर रहने के बाद लौटे। उनके पास टीम के चयन से पहले कप्तान सूर्यकुमार यादव का एक कॉल आया था। जिसमें सूर्या ने उनसे पूछा था, 'वर्ल्ड कप जिताएगा क्या?'

अभिषेक शर्मा के उतार-चढ़ाव, मोहम्मद सिराज की अचानक एंट्री

अभिषेक शर्मा का यह पहला टी20 वर्ल्ड कप था। उनके लिए यह सफर काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा। उनकी पहले तबीयत खराब हो गई और वह अस्पताल में एडमिट हुए। उसके बाद उनकी वापसी हुई तो उनका फॉर्म खराब और लगातार तीन बार शून्य पर आउट हो गए। अभिषेक ने इसके बाद लगाार निराश किया लेकिन कप्तान और कोच ने अपना विश्वास नहीं उनके ऊपर से छोड़ा। वहीं मोहम्मद सिराज की एंट्री अचानक इस वर्ल्ड कप में हो गई। टूर्नामेंट शुरू होने के 48 घंटे पहले तक सिराज के प्लान कुछ और थे और वह विदेश जा रहे थे। अचानक हर्षित राणा चोटिल हुए और सिराज की टीम में एंट्री हो गई। उन्होंने अपने इस वर्ल्ड कप के सफर को काफी एनजॉय किया और विश्व विजेता बनने के बाद अपने दिल की कई सारी बातें भी कीं।

रीवा में अफीम कांड का धमाका! खेत से गायब हुई फसल

अब शिकायतकर्ता की तलाश में सोहागी पुलिस क्या वर्दी के साये में पल रहा था नशे का कारोबार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (नप्र)। जिले के सोहागी थाना क्षेत्र अंतर्गत सोनौरी चौकी के नौढ़िया गांव से उठी अफीम की अवैध खेती की कहानी अब पूरे जिले में सनसनी बन गई है। जिस खेत में कुछ दिन पहले तक अफीम की लहलहाती फसल होने की चर्चा थी वहां पुलिस के पहुंचते ही पूरा मैदान साफ मिला। अब सवाल उठ रहे हैं कि आखिर यह फसल रातों-रात कहां गायब हो गई और किसके इशारे पर पूरा खेल पल भर में समेट दिया गया। सूत्रों के मुताबिक नौढ़िया गांव में अफीम की खेती होने की गोपनीय सूचना वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों तक पहुंचाई गई थी। बताया जाता है कि जैसे ही यह जानकारी ऊपर तक पहुंची कार्रवाई के निर्देश दिए गए। लेकिन जब स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो खेत में अफीम का एक भी पौधा नहीं मिला। खेत पूरी तरह साफ था मानो वहां कभी कुछ उगा ही न हो। यहीं से पूरे मामले ने नया मोड़ ले लिया। गांव में यह चर्चा तेजी से फैल गई कि पुलिस के पहुंचने से पहले ही अफीम के पौधों को उखाड़कर हटा दिया गया। कुछ ग्रामीण तो यहां तक दावा कर रहे हैं कि पौधों को जल्दबाजी में समेटकर मध्यप्रदेश की सीमा पार उत्तरप्रदेश की ओर खपा दिया गया। यदि यह सच है तो सबसे बड़ा सवाल यही है कि कार्रवाई की खबर पहले ही कैसे लीक हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि यह खेती कोई एक दिन का खेल नहीं था। गांव के कई लोगों का दावा है कि पिछले करीब एक साल से चोरी छिपे यहां अफीम की खेती की जा रही थी। लेकिन स्थानीय स्तर पर कभी कोई बड़ी कार्रवाई नहीं हुई। अब जब मामला वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचा और जांच की आहट सुनाई दी तो अचानक पूरा खेत ही साफ कर दिया गया। मामले में सबसे ज्यादा चर्चा जिस बात की हो रही है वह और भी चौंकाने वाली है। आरोप है कि अवैध अफीम की खेती करने वालों पर शिकंजा कसने के बजाय अब सोहागी पुलिस उस व्यक्ति की तलाश में जुट गई है जिसने इसकी शिकायत की थी। बताया जा रहा है कि थाना स्तर पर कई ग्रामीणों से पूछताछ की जा रही है और यह जानने की कोशिश हो रही है कि आखिर सूचना देने वाला कौन है। गांव में लोग खुलकर सवाल उठा रहे हैं कि आखिर वह कौन पुलिसकर्मी था जिसने विभाग की गोपनीय जानकारी बाहर पहुंचाई। क्या किसी वर्दीधारी ने ही माफियाओं को पहले से आगाह कर दिया था? लोगों के बीच यह भी चर्चा है कि कहीं ऐसा तो नहीं कि विभाग का नाम लेकर कोई पुलिसकर्मी ही पर्दे के पीछे से पूरे खेल को संरक्षण देता रहा। इस पूरे घटनाक्रम ने रीवा रेंज के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि जब मामला ऊपर तक पहुंचा तो नाराजगी भी जताई गई लेकिन अब तक किसी आरोपी के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं होने से चर्चाओं का बाजार और गर्म हो गया है। अब सबकी नजर रीवा पुलिस अधीक्षक की कार्रवाई पर टिकी हुई है। साफ सुथरी छवि के लिए पहचाने जाने वाले एसपी से लोगों को उम्मीद है कि इस पूरे अफीम कांड की परतें खोली जाएंगी और यह सामने आएगा कि आखिर सूचना किसने लीक की कौन पुलिसकर्मी माफियाओं का हमदर्द बना और नौढ़िया गांव में नशे का यह खेल किसकी शह पर फल-फूल रहा था। फिलहाल नौढ़िया गांव की यह कहानी अब पूरे रीवा जिले में चर्चा का बड़ा विषय बन चुकी है। लोग इंतजार कर रहे हैं कि इस अफीम कांड का सच सामने आएगा या फिर यह मामला भी धीरे धीरे फाइलों में दबकर रह जाएगा।

झूलेलाल मुक्ति धाम लक्ष्मण बाग में आवश्यक निर्माण कार्यों के लिए हुआ भूमि पूजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। लक्ष्मण बाग स्थित झूलेलाल मुक्ति धाम, जो समस्त हिंदू समाज के लिए एक पवित्र स्थल है, में दाह संस्कार के दौरान आने वाली समस्याओं के समाधान हेतु आवश्यक निर्माण कार्यों का भूमि पूजन सम्पन्न हुआ। इस मुक्तिधाम में कई वर्षों से दाह संस्कार के समय विभिन्न कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, जिसके समाधान के लिए सिंधु समाज के प्रतिनिधिमंडल ने नगर निगम आयुक्त सौरभ सोनवडे से मुलाकात की। आयुक्त महोदय ने स्वयं मौके का निरीक्षण किया और इस कार्य को प्राथमिकता देते हुए इसे आवश्यक कार्य की श्रेणी में रखा। अगले ही दिन उन्होंने अपनी इंजीनियर टीम को कार्य स्थल का मुआयना करने के लिए भेजा। टीम ने घाट निर्माण दाह संस्कार शेड रिपेयरिंग, पेपर ब्लॉक बाउंड्री वॉल गेट निर्माण आदि कार्यों का एस्टीमेट तैयार किया जिसका कुल मूल्य 54 लाख रुपये था। हालांकि, पहले यह प्रस्ताव निरस्त हो गया था। इसके बाद आयुक्त महोदय ने निर्णय लिया कि इस कार्य को तीन अलग-अलग टेंडरों में विभाजित किया जाए। प्रत्येक टेंडर की कीमत 18 लाख रुपये रखी गई, ताकि एक-एक करके जरूरी निर्माण कार्य पूरे किए जा सकें। इस क्रम में पहले टेंडर का कार्य हाल ही में शुरू हुआ, जिसमें घाट निर्माण, दाह संस्कार शेड रिपेयरिंग साफ सफाई, मिट्टी भराव, पेपर ब्लॉक आदि के कार्य शामिल हैं। इस महत्वपूर्ण निर्माण कार्य के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया जो मुक्ति धाम की सेवा करने वाले समाजसेवी दादा करमचंद सुंदरानी जी के हाथों नारियल फोड़कर सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर वार्ड क्रमांक 44 के पार्षद पति श्री अमृतलाल मिश्रा, भगत मिश्रा रमेश दुबे कन्हैयालाल मंगलानी अशोक बजाज संजय माधवानी गुलाब साहनी चंदू ठारवानी विजय रिझवानी जयराम गंगवानी मोहन वरदानी गुलाब नागपाल राजकुमार पटेल पप्पू शुक्ला नरेश विश्वकर्मा बल्ला भाई समेत नगर निगम के इंजीनियर और संविदा कर्मी उपस्थित थे। इस कार्य के लिए वार्ड क्रमांक 44 के पार्षद पति अमृतलाल मिश्रा का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ जिनकी मदद से यह कार्य अब धरातल पर उतर पाया है। यह निर्माण कार्य क्षेत्रवासियों के लिए एक बड़ी राहत साबित होगा जिससे मुक्तिधाम में दाह संस्कार के कार्य और भी सहज और सुगम हो सकेंगे।

लाइसेंस के बिना पशु मांस तथा मछली का विक्रय प्रतिबंधित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (नप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी प्रतिभा पाल ने लाइसेंस के बिना पशु मांस तथा मछली के विक्रय पर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। उन्होंने अपने आदेश में कहा है कि नगरीय निकायों से अनुमति प्राप्त किए बिना अथवा लाइसेंस शर्तों का उल्लंघन करते हुए खुले में या अन्य निर्दिष्ट स्थानों में पशु मांस व मछली का विक्रय होने से आवारा श्वानों की संख्या में वृद्धि होती है तथा गंदगी फैलने से पर्यावरण प्रदूषित होता है। साथ ही मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने रीवा जिले में खुले स्थानों पर पशु मांस तथा मछली के विक्रय के संचालन में धारा 163 (1) के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। जिला दण्डाधिकारी ने कहा है कि जिले में कोई भी व्यक्ति मानव उपभोग के लिए अभिप्रेत किसी ऐसे पशु को जो रोगी हो न बेचेगा, न विक्रय के लिए प्रदर्शित करेगा और न ही फेरी द्वारा विक्रय किया जाएगा। किसी ऐसे खाद्य पेय या औषधि को जो अपौष्टिक, अस्वास्थ्यकारक, अपमिथित या मानव उपयोग के लिए अनुपयुक्त हो उसका भी विक्रय प्रतिबंधित रहेगा। जिले में कोई भी व्यक्ति सक्षम अधिकारी की स्वीकृति के अतिरिक्त मानवीय खाद्य के लिए अभिप्रेत पशुओं के विक्रय हेतु अथवा विक्रयार्थ प्रदर्शित करने के आशय से नवीन निजी बाजार की स्थापना नहीं करेगा। उन्होंने कहा है कि यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। उन्होंने इस आदेश की सूचना विभिन्न प्रचार माध्यमों से किए जाने तथा एसडीएम एवं थानों व निकायों एवं जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत के कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर सूचना के माध्यम से प्रसारित करने का आदेश दिया है। आदेश के उल्लंघन पर धारा 223 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

यूजीसी के बिल लागू करने को लेकर ओबीसी एसटी एससी के संयुक्त तत्वाधान में रैली निकाल कर राष्ट्रपति के नाम सौंपा गया ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। यूजीसी बिल 2026 को लागू करने, जाति जनगणना में ओबीसी कालम जोड़ने एवं मध्यप्रदेश में 13 प्रतिशत होल्ड ओबीसी आरक्षण को लागू करने तथा जिले के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में तत्काल प्रभाव से पांचवी एवं छठवी अनुसूची को लागू करने, लोगो की आय बढ़ाने व उनकी जीवन स्तर को सुधारने के उद्देश्य से स्वामीनाथन कमेटी के सिपरिसो को अतिशीघ्र लागू किया जाने, एमएसपी कानून गारंटी लागू करने एवं गरीबो को आवास पट्टा तीन डिसमिल दिये जाने तथा रास्ता मुलैया कराया कराने की मांग को लेकर कई संगठनों ने पूरे जवा बाजार में रैली निकालकर राष्ट्रपति के नाम तहसीलदार जवा को ज्ञापन सौंपा गया। उस दौरान सभी वक्ताओं ने यूजीसी बिल सहित अन्य मांगो को लेकर अपनी अपनी बातें रखी।

वक्ताओं ने कहा कि जब तक हमारी मांगे पूर्ण नही होगी हम अपनी मांगों के लिए लड़ते रहेंगे। उस दौरान पूर्व विधायक रामगरीब वनवासी, कुँवर सिंह पटेल कांग्रेस पिछड़ावर्ग राष्ट्रीय समन्वयक,सपा प्रदेश सचिव जगदीश यादव, समाजसेवी शम्भू सिंह,टिकैत किसान यूनियन ब्लाक इकाई जवा अध्यक्ष राजेश्वरी सिंह, एसके सिंह टिकैत किसान यूनियन ब्लाक इकाई सचिव, ओबीसी दिनेश पटेल,किसान नेता अनिल सिंह, विकास कोल, गजाधर सिंह ,विजय सिंह लाखन, कामता सिंह,छेदी लाल आदिवासी अजय आदिवासी दयानाथ वर्मा मुन्नालाल आदिवासी राजेश वर्मा,मुन्ना सिंह जवा, संजू सिंह, संजय सिंह सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

वृहद रक्तदान शिविर 16 मार्च को कुशाभाऊ ठाकरे जिला चिकित्सालय में

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आगामी 16 मार्च को जिला चिकित्सालय में वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने शिविर आयोजन में विभिन्न विभागों को सहभागिता के निर्देश दिये हैं। उन्होंने आमजन से अपील की है कि रक्तदान शिविर में भाग लेकर रक्तदान जैसे पुनीत कार्य में भागीदार बनें। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को शिविर की व्यवस्थाओं के संबंध में दायित्व सौंपे तथा निर्देश दिये कि शिविर के व्यवस्थित आयोजन की सभी तैयारियाँ पूर्ण करायें। उन्होंने शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों के प्रतिनिधियों से शिविर में अधिक से अधिक रक्तदान कराने की बात कही। कलेक्टर ने कहा कि इससे पूर्व भी रीवा में जो रक्तदान शिविर आयोजित हुए हैं उनके अच्छे परिणाम आयें हैं। लोगों ने बढ़-चढ़कर इसमें हिस्सेदार की ओर अधिक मात्रा में रक्त का संग्रहण हुआ। उन्होंने स्वयं सेवी संस्थाओं से रक्तदान शिविर में अधिक संख्या में उपस्थित होकर रक्तदान करने की अपील की। बैठक में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी संयुक्त कलेक्टर राजेश सिन्हा रेडक्रास सोसायटी के चेयरमैन डॉ. प्रभाकर चतुर्वेदी सीएमएचओ डॉ. यत्नेश त्रिपाठी समाजसेवी परमजीत सिंह ढंग सहित विभागीय अधिकारी स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

महिला समेत तीन घायल,अज्ञात वाहन से बचने में जोधपुर गांव के पास बाइक फिसली

मीडिया ऑडीटर,मऊगंज (निप्र)। सोमवार देर रात एक सड़क हादसे में महिला समेत तीन लोग घायल हो गए। वहीं वाहन चालक मौके से फरार हो गया। कटरा-मऊगंज मार्ग पर जोधपुर गांव के पास अज्ञात वाहन से बचने के प्रयास में एक बाइक बेकाबू होकर फिसल गई। घायलों को डायल 112 पुलिस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां एक युवक की हालत नाजुक बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, तीनों लोग बाइक से रीवा से अपने गंतव्य की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने अचानक उनकी ओर रुख कर लिया। टक्कर से बचने के लिए बाइक चालक ने वाहन को सड़क किनारे उतार दिया, लेकिन संतुलन बिगड़ने से बाइक फिसल गई और सभी सवार सड़क पर गिर पड़े। इस हादसे में संदीप तिवारी पिता राजीव लोचन तिवारी (25), मंगलावती तिवारी पति राजीव लोचन तिवारी (60), सनी तिवारी पिता राजाराम तिवारी (25) वर्ष सभी अकौरी निवासी घायल हुए। इस घटना को अंजाम देने वाला वाहन चालक मौके से फरार हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नईगढ़ी ले जाया गया चिकित्सकों ने बताया कि घायलों में एक युवक की हालत गंभीर बनी हुई है, जबकि अन्य दो का इलाज जारी है। पुलिस ने अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है और मामले की जांच की जा रही है।

गुणवत्ताहीन सड़क निर्माण पर ठेकेदार ब्लैकलिस्ट दो साल तक नहीं ले सकेगा निगम का काम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (नप्र)। नगर पालिक निगम रीवा क्षेत्र में विकास कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। निगमायुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देश पर जोन क्रमांक 4 अंतर्गत वार्ड क्रमांक 43 नर्मदा नगर में कराए गए सड़क निर्माण कार्य में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए उसे ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है जानकारी के अनुसार नर्मदा नगर क्षेत्र में श्री गोकरण पंडित के घर से श्री रमेशचंद्र पाण्डेय के घर तक सीसी रोड और आरसीसी नाली निर्माण कार्य कराया गया था। इस कार्य की निविदा लागत लगभग 25.60 लाख रुपये थी। निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद निरीक्षण के दौरान पाया गया कि सड़क की टॉप कंक्रीट कई स्थानों पर खराब हो चुकी है, जो निर्माण कार्य की खराब गुणवत्ता को दर्शाती है। मामले को गंभीरता से लेते हुए निगमायुक्त के निर्देश पर कार्यपालन यंत्री सिद्धार्थ सिंह ने स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण में अनियमितता पाए जाने के बाद संबंधित ठेकेदार को कई बार सुधार कार्य करने के निर्देश दिए गए, लेकिन निर्धारित समय सीमा के भीतर सुधार नहीं कराया गया इसके बाद नगर निगम प्रशासन ने अनुबंध की शर्तों के उल्लंघन को देखते हुए ठेकेदार को दो वर्षों के लिए नगर निगम की किसी भी निविदा प्रक्रिया में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया।

जवा में प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फूले की मनाई गई परिनिर्वाण दिवस

मीडिया ऑडीटर, रीवा (नप्र)। भारत की प्रथम महिला शिक्षिका और महान समाज सुधारिका सावित्रीबाई फुले का परिनिर्वाण दिवस जवा में मनाया गया। जहा पर उपस्थति लोगों ने मां सावित्रीबाई फूले के चित्र में माल्यापर्ण कर उन्हें नमन किया गया। कार्यकम के दौरान किसान नेता एसके सिंह ने कहा कि मां सावित्रीबाई फूले शिक्षा का प्रसार उन्होंने और उनके पति के साथ लड़कियों के लिए स्कूल खोले समाज के वंचित वर्गों की शिक्षा के लिए भी अथक प्रयास किए है जिनके कारण महिलाये आज शिक्षा ग्रहण कर हर क्षेत्र में आगे है पिछड़ावर्ग कांग्रेस राष्ट्रीय

समन्वयक कुँवर सिंह पटेल ने बताया कि महिलाओं में जागरूकता लाने के लिए उन्होंने 1852 में 'महिला सेवा मंडल' की स्थापना की। इसके अलावा उन्होंने गर्भवती बलात्कार पीड़ितों के लिए 'बालहत्या प्रतिबंधक गृह' की शुरुआत की दौरान, उन्होंने संक्रमित लोगों की सेवा की एक पीड़ित बच्चे को अस्पताल पहुँचाने के दौरान वे स्वयं इस बीमारी की चपेट में आ गईं और 10 मार्च 1897 को उनका निधन हो गया उस दौरान टिकैत यूनियन ब्लाक सचिव एसके सिंह पूर्व विधायक रामगरीब वनवासी कुँवर सिंह पटेल कांग्रेस पिछड़ावर्ग राष्ट्रीय समन्वयक, गजाधर सिंह विजय सिंह लाखन कामता सिंह, छेदी लाल आदिवासी, अजय आदिवासी दयानाथ वर्मा मुन्नालाल आदिवासी राजेश वर्मा सहित सैकड़ों लोग उपस्थति रहे।

11 हजार केवी लाइन की चपेट में आया आउटसोर्स लाइनमैन दोनों हाथ काटने की नौबत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (नप्र)। सिरमौर थाना क्षेत्र के पड़री में बिजली लाइन सुधारने के दौरान बड़ा हादसा हो गया। 11 हजार केवी लाइन की चपेट में आने से एक आउटसोर्स लाइनमैन गंभीर रूप से झुलस गया। घायल लाइनमैन को तुरंत संजय गांधी अस्पताल लाया गया, जहां बर्न यूनिट में उसका इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक लाइनमैन खंभे पर चढ़कर बिजली लाइन जोड़ने का काम कर रहा था। इसी दौरान वह अचानक 11 हजार केवी लाइन की चपेट में आ गया। करंट लगते ही उसका शरीर बुरी तरह झुलस गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत उसे नीचे उतारा और अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। घायल लाइनमैन को तुरंत रीवा के संजय गांधी अस्पताल लाया गया, जहां उसे बर्न यूनिट में भर्ती किया गया है। डॉक्टरों की टीम लगातार उसकी हालत पर नजर रखे हुए है। डॉक्टरों के अनुसार घायल की स्थिति बेहद गंभीर है और संक्रमण बढ़ने के कारण उसके दोनों हाथ काटने की नौबत आ सकती है। आउटसोर्स कर्मचारी के रूप में करता है काम जानकारी के अनुसार घायल युवक अशोक कंपनी में आउटसोर्स कर्मचारी के रूप में काम करता है और बिजली लाइन से जुड़े काम करता था। घटना के बाद से उसके परिजन अस्पताल में मौजूद हैं और लगातार उसकी स्थिति की जानकारी ले रहे हैं। घायल लाइनमैन के परिजनों ने आरोप लगाया है कि काम के दौरान उसे पर्याप्त सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए गए थे। उनका कहना है कि यदि सुरक्षा के उचित इंतजाम होते तो शायद यह हादसा टल सकता था। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि मामले में अभी तक पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। कार्रवाई की मांग, जांच में जुटी पुलिस घटना के बाद परिजन प्रशासन से दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और घायल लाइनमैन के बेहतर इलाज की मांग कर रहे हैं। वहीं एसडीओपी उदित मिश्रा का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रानीतालाब मंदिर की मेड़ से अतिक्रमण हटाया, 17 कच्चे व 1 पक्का मकान हटाए

मीडिया ऑडीटर, रीवा (नप्र)। नगर पालिक निगम रीवा द्वारा शहर के तालाबों के संरक्षण और सौंदर्यीकरण के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देशानुसार मंगलवार 10 मार्च को वार्ड क्रमांक 4 के चोरहटा स्थित रानीतालाब मंदिर की मेड़ पर लंबे समय से किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की गई। नगर निगम की उड़नदस्ता टीम द्वारा जेसीबी मशीन की सहायता से अतिक्रमण हटाते हुए कुल 17 कच्चे मकानों और 1 पक्के मकान को हटाया गया। नगर निगम प्रशासन के अनुसार रानीतालाब क्षेत्र में लंबे समय से अवैध कब्जे के कारण तालाब की मेड़ प्रभावित हो रही थी, जिससे न केवल तालाब के संरक्षण में बाधा उत्पन्न हो रही थी बल्कि सौंदर्यीकरण कार्य भी प्रभावित हो रहा था। इसी को ध्यान में रखते हुए निगम प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने का निर्णय लिया। मंगलवार को सुबह से ही नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और पुलिस प्रशासन की उपस्थिति में शांतिपूर्ण ढंग से पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। अतिक्रमण हटाने की इस कार्रवाई के दौरान श्री संपत्ति कोल, तिलकधारी उर्फ ललवा, लोली कोल, विरेन्द्र, संतोष, रमेश सहित अन्य लोगों के कच्चे मकानों को हटाया गया। निगम प्रशासन ने यह भी सुनिश्चित किया कि प्रभावित परिवारों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। नगर निगम द्वारा जनभागीदारी से निर्मित भवन में इन परिवारों के पुनर्वास की व्यवस्था की गई और उन्हें वहां विस्थापित किया गया। साथ ही प्रभावित परिवारों की घरेलू सामग्री को सुरक्षित तरीके से नए स्थान तक पहुंचाने की जिम्मेदारी भी निगम अमले द्वारा निभाई गई। नगर निगम प्रशासन ने संबंधित कॉलोनी में आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था भी सुनिश्चित कराई है। क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि वहां रहने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि शहर के तालाबों और सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए आगे भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी। तालाबों के संरक्षण और सौंदर्यीकरण के लिए नगर निगम लगातार प्रयास कर रहा है। उक्त कार्रवाई के दौरान सहायक यंत्री एवं अतिक्रमण प्रभारी राजेश चतुर्वेदी, रावेन्द्र शुक्ला, सुखेन्द्र चतुर्वेदी सहित नगर निगम की उड़नदस्ता टीम के कर्मचारी मौके पर मौजूद रहे और पूरी कार्रवाई को सफलतापूर्वक संपन्न कराया।

एआई के उपयोग एवं साइबर सुरक्षा विषय पर कार्यशाला का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (नप्र)। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में एआई एवं साइबर सुरक्षा के संबंध में आयोजित कार्यशाला में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा कि वर्तमान समय में कार्यालीयन कार्यों में कम्प्यूटर, इंटरनेट, ईमेल, ऑनलाइन पोर्टल क्लाउड सिस्टम एवं डिजिटल डाटा का अधिक उपयोग किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में इनके डाटा, नेटवर्क और आईटी सिस्टम की सुरक्षा महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इस विषय में अच्छे ढंग से जानकारी और जागरूकता प्रदान किया जाना आवश्यक है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।